हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 42 ● भिलाई, सोमवार 31 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सीएम ममता बनर्जी पर हाईकोर्ट के आदेश के उल्लंघन का आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी के खिलाफ एक मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन पर 28 अगस्त को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश का कथित तौर पर उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय सँहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस की छात्र इकाई तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान पार्टी समर्थकों ने कथित तौर पर बैरिकेड हटा दिए और पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी की। कार्यक्रम के दौरान कैथेड्रल रोड पर यातायात बाधित होने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत में कहा गया है कि अदालत की ओर से कार्यक्रम के लिए निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद भी आयोजन कथित तौर पर जारी रहा। इन आरोपों के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय सँहिता की धाराओं 61(2), 223, 125(ए), 132 और 285 के तहत मामला दर्ज किया है।

दिल्ली में जलभराव से निपटने के उपायों की रिपोर्ट 31 अगस्त तक देनी होगी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से लोगों को होने वाली परेशानी को गंभीरता से लेते हुए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने लोक निर्माण विभाग से अब तक किए गए उपायों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विभाग को 31 अगस्त तक रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले 25 अगस्त को दिल्ली में हुई भारी बारिश के बाद राजधानी के कई प्रमुख इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई थी। सड़कों पर पानी भरने से यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई और आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। स्थिति का संज्ञान लेते हुए उपराज्यपाल ने उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की थी। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि मानसून के शेष दिनों में जलभराव की समस्या दोबारा न हो।

युवाओं के इनोवेटिव आइडिया को सराहा

मन की बात-नशा मुक्त युवा विकसित भारत' पर चर्चा की

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' की 137वीं कड़ी में देश को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि ये एक ऐसा मंच है, जहां हम देशवासियों के इनोवेटिव आइडियाज पर चर्चा करते हैं. पीएम ने कहा कि मन की बात नए प्रयासों सामने लाने का एक मंच है. आज कई कड़ी में उन्होंने कड़ी में युवाओं, महिलाओं, किसानों, स्वच्छता कार्यकर्ताओं और देश के अलग-अलग हिस्सों में अपने छोटे प्रयासों से बदलाव ला रहे लोगों का उल्लेख करते हुए समाज की भागीदारी से विकसित भारत के निर्माण का संदेश दिया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 137वें 'मन की बात' एपिसोड में देशवासियों के इनोवेटिव आइडिया पर चर्चा कर रहे है. इस संबोधन में वह देश से जुड़े कई अहम मुद्दों पर बात कर रहे हैं. पीएम मोदी ने कहा, 'नशा मुक्त युवा ड्ड विकसित भारत' अभियान पूरे देश में जोर पकड़ रहा है. जिसका लक्ष्य नशा-मुक्त युवा, नशा-मुक्त भारत है. भारत के युवाओं की सेहत, खुशी और उज्ज्वल भविष्य के लिए हमारा सामूहिक संकल्प जरूरी है. प्रधानमंत्री ने मुंबई के कृष्णा शेषाद्री की पहल का उल्लेख किया, जिन्होंने इतिहास को तकनीक के जरिए रोचक और सरल बनाने के उद्देश्य से 'भारत राज्य' नाम की वेबसाइट तैयार की है. कृष्णा ने वेबसाइट का नाम भी बहुत सिंपल रखा है. इसका नाम WWW .BHARATRAJYA.com है. पीएम मोदी ने युवाओं को इतिहास के ज्ञान को

आसानी से प्राप्त करने के लिए इस वेबसाइट पर जाने की अपील की है. इस वेबसाइट पर किसी भी वर्ष का चयन कर यह जाना जा सकता है कि उस समय भारत के किस हिस्से पर किसका शासन था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस साल 'सूर्यपथ तिरंगा' के जरिए हमारा तिरंगा दुनिया-भर की एक अनोखी यात्रा पर निकला. Fiji के सुवा में सूरज की पहली किरण के साथ तिरंगा फहराया गया. पीएम मोदी ने रेहड़ी-पटरी के कारोबार से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने में पीएम स्वनिधि योजना की भूमिका का उल्लेख किया. पीएम मोदी ने कहा कि लाखों माताओं-बहनों को ÒPM स्वनिधि योजना' से नई ताकत मिल रही है.' यानी देशभर में लगभग 35 लाख महिलाएं इस योजना से जुड़कर अपने कारोबार को आगे बढ़ा रही हैं. प्रधानमंत्री ने अमरनाथ यात्रा के दौरान स्वच्छता कर्मियों और श्रद्धालुओं की भागीदारी का भी उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि 16 हजार से अधिक यात्रियों ने स्वच्छता का संकल्प लिया और 10 हजार से ज्यादा यात्रियों को 'रिस्पॉन्सिबल यात्री' प्रमाणपत्र दिया गया. पीएम मोदी ने कहा, 'यह महीना 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस', 'भारत छोड़ो आंदोलन' की वर्षगांठ और 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' की वजह से खास है.

नशामुक्त युवा, विकसित भारत' के संकल्प में सभी की भागीदारी जरूरी...

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित निरंजन धर्मशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 137वीं कड़ी का श्रवण किया. मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी का देश के 140 करोड़ नागरिकों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम है. इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे नवाचारों, प्रेरक प्रयासों और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले लोगों की उपलब्धियों को पूरे देश के सामने रखते हैं. मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देशवासियों को प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम की प्रतीक्षा रहती है.

2027 चुनाव के बाद योगी की होगी छुट्टी

मैं सीएम बनना चाहता हूं,मौर्य के बयान से सियासी भूचाल!

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में बस कुछ महीनों का वक्त बचा है। इससे पहले राज्या में सियासी लड़ाई तेज हो गई है। सभी पार्टियां एक-दूसरे पर वार-पलटवार कर रही हैं। इस बीच भाजपा में अंदरूनी खींचतान भी खुलकर सामने आती दिख रही है। 2017 में प्रचंड बहुमत के बाद ष्टरू पद की रेस में आगे दिख रहे केशव प्रसाद मौर्य को डिप्टी सीएम की कुर्सी से संतोष करना पड़ा था। इस बार चुनाव से पहले ही उन्होंने खुलकर मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा जाहिर कर दी है।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हो सकता है कि अगली बार आप मुख्यमंत्री के रूप में देखें या फिर किसी और रूप में देखें। उन्होंने कहा कि यह तो पार्टी तय करेगी, मेरी महत्वाकांक्षा से ही कुछ तय नहीं होगा। उन्होंने खुलकर कहा कि मेरी भी महत्वाकांक्षा है कि मैं मुख्यमंत्री बनूं, लेकिन मेरे चाहने से नहीं होगा। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मेरे पार्टी का नेतृत्व तय करेगा कि कौन क्या करेगा। उन्होंने फिलहाल 2027 में बहुमत से जीतने को अपना लश्क्ष्य बताया है। उन्होंने कहा कि इसके बाद विधायक दल तय करेगा और दिल्ली से आने वाले पर्यवेक्षक तय करेंगे कि कौन सीएम बनेगा। केशव प्रसाद मौर्य ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में ष्टरूयोगी के साथ मिलकर काम करने की बात भी कही। दोनों नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को लेकर डिप्टी सीएम ने कहा कि हम लोग मिलकर काम कर रहे हैं।

इमरान हाशमी की तबीयत बिगड़ी, स्वाइन फ्लू से पीड़ित; बोले मैं बहुत बीमार हूं

मुंबई। अभिनेता इमरान हाशमी स्वाइन फ्लू (एच1एन1) की चपेट में आ गए हैं। हाल ही में शूटिंग के सिलसिले में रांची समेत कई जगहों की यात्रा करने के बाद उनकी तबीयत खराब हो गई थी, जिसके बाद हुई जांच में उनका स्वाइन फ्लू टेस्ट पॉजिटिव आया है। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। खुद को बीमार बताते हुए इमरान ने अपने हेल्थ अपडेट के साथ बेंगलुरु में होने वाले अपने शो को टालने का भी ऐलान किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान काम के सिलसिले में लगातार यात्रा कर रहे थे और हाल ही में रांची में थे। वहां से लौटने के बाद पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी।

हम और हमारा ही समाधान

धर्म अलग हो सकते हैं लेकिन मानवता एक है-मोहन भागवत

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क में 'एक दुनिया, एक मानवता' कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां मौजूद सभी दिव्य व्यक्तित्वों, मैं आप लोगों की तरह न तो कोई धार्मिक विद्वान हूं और न ही कोई धार्मिक अधिकारी। लेकिन, मैं एक ऐसे समाज में काम कर रहा हूं, जो पारंपरिक रूप से कहता है कि धर्म भले ही भिन्न हों, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है, और मानवता उस सत्य की उपज है। आरएसएस प्रमुख ने

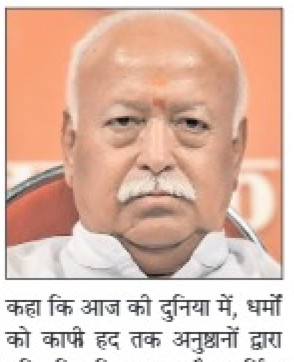

कहा कि आज की दुनिया में, धर्मों को काफी हद तक अनुष्ठानों द्वारा परिभाषित किया जाता है। धार्मिक अनुशासन का पालन करने और दिव्यता के मार्ग पर चलने के लिए, अनुष्ठानों का अनुशासन भी आवश्यक है। लेकिन, धर्म का उद्देश्य क्या है? यह हमें सत्य की ओर ले जाता है। इसलिए, यदि मैं उस प्रकाश की ओर इशारा करूं, तो आप मेरी उंगली को इशारा करते हुए देखेंगे और फिर प्रकाश को देखेंगे। लेकिन, यदि आप मेरी उंगली पर टकटकी लगाए रहेंगे, तो आप कभी प्रकाश को नहीं देख पाएंगे। उद्देश्य अलग है। यह परम सत्य, दिव्यता की खोज है, जिसे हम अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। मोहन भागवत ने कहा कि इतिहास के क्रम में यह सब घटित हुआ। मैं उस क्षण की ओर इशारा नहीं कर सकता। उसके बाद, हमारा समाज और हमारा देश विदेशी आक्रमणों का निशाना बने और बहुत कुछ खो गया।

संसद सत्र को लेकर बड़ी खबर!

सितंबर के दूसरे हफ्ते में बुलावा संभव.......

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का औपचारिक तौर पर समापन न करने पर विपक्ष लगातार सरकार से सवाल पूछ रहा है। हालांकि, अब उन्हें इसका जवाब मिल जाएगा। ऐसा दावा किया जा रहा है कि केंद्र सरकार सितंबर महीने में संसद का एक विशेष सत्र बुला सकती है। सूत्रों के मुताबिक, इसके पीछे का मकसद परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े विधेयकों को संसद की पटल पर रखा जा सकता है। सरकार पिछले कुछ दिनों से छोटे-छोटे राजीतिक दलों के नेताओं के साथ बातचीत कर रही है। इनमें अकाली दल और

एनसीपी (शरद पवार गुट) जैसी पार्टियों के शीर्ष नेता शामिल हैं। इसके साथ ही कैबिनेट में फेरबदल की संभावना भी जताई जा रही है।सूत्रों का कहना है कि संसद का अगला विशेष सत्र सितंबर के दूसरे हफ्ते में बुलाया जा सकता है।

सज्जन कुमार की श्रद्धांजलि सभा में जाने पर भाजपा सांसदों को नितिन नवीन ने लगाई फटकार

नईदिल्ली। 1984 के सिख विरोधी दंगों के सजायाफ्ता दोषी और पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार के निधन पर उनके घर जाकर शोक व्यक्त करना 3 भाजपा सांसदों को भारी पड़ गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने तीनों सांसदों को फटकार लगाई है। दरअसल, भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधुड़ी और योगेंद्र चंदौलिया बीते दिन सज्जन की श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए थे। इस पर पार्टी में ही विरोध की आवाजें उठी थीं। सज्जन का 20 अगस्त को जेल में निधन हो गया था। वे सिख विरोधी दंगों के दौरान सिखों की हत्याओं के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे।

जानें क्या कर रही बालेन सरकार

नेपाल बाढ़ में 734 से ज्यादा मौतें,2498 लापता;सड़ते शवों से महामारी का खतरा

नेपाल। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के बाद राहत और बचाव कार्यों के दौरान अब तक 734 से ज्यादा शव बरामद किए गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान मिले कई शवों की पहचान नहीं हो पाई है, जिससे उनका अंतिम संस्कार नहीं हो पा रहा है और वे सड़ने लगे हैं। शवों के तेजी से सड़ने और उससे निकलने वाली बदबू के कारण प्रभावित इलाकों में महामारी का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। इस बीच, नेपाल सरकार बिना पहचान वाले शवों के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रही है। हर अज्ञात शव से डीएनए सैंपल

सुरक्षित रखे जाएंगे। बुधवार को नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत और बचाव कार्य जारी हैं। सुरक्षाकर्मी लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं, लेकिन प्रभावित इलाकों से शव मिलने से बड़े पैमाने पर संक्रमण और महामारी फैलने की गंभीर चिंता पैदा हो गई है। अकेले चितवन जिले में अब तक 259 शव बरामद किए गए हैं, जिनमें 74 पुरुष, 41 महिलाएं और 8 बच्चे (6 लड़के और 2 लड़कियां) शामिल हैं। एनडीआरआरएमए के अनुसार, अब तक नवलपरासी पूर्व से 184, नवलपरासी पश्चिम से 82 और गोरखा जिले से 58 शव बरामद किए गए हैं। इसी तरह नुवाकोट से 52, धादिंग से 50, तनहू से 36 और रसुवा से 13 शव मिले हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस आपदा के बाद अब भी 2,498 लोग लापता हैं। इनमें 85 सुरक्षाकर्मी और 320 विदेशी नागरिक शामिल हैं। बाढ़ में मिले शवों को जगह न होने के कारण मुर्दाघर के अलावा दफ्तरों में भी रखा जा रहा है।

चित्रकूट में बाढ़ से हाहाकार

मंदाकिनी नदी उफान पर; 700 से ज्यादा लोगों का किया रेस्क्यू,सीएम ने बुलाई आपात बैठक

नई दिल्ली/ एजेंसी

मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात बिगाड़ दिए है। नदियां और नाले उफान पर हैं और कई इलाकों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट गया है। चित्रकूट में स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। मंदाकिनी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के बाद रामघाट समेत आसपास के इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। मध्य प्रदेश में भारी बारिश से सतना के चित्रकूट में बाढ़ आ गई है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने राहत कार्य तेज कर दिए हैं और 700 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। जिला कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि चित्रकूट में पानी का स्तर अब कम होने लगा है। अगर आज रात बारिश नहीं हुई, तो हालात पूरी तरह काबू में रहेंगे। हम इलाके पर कड़ी नज़र रखे हुए हैं। बाढ़ का जलस्तर, जो पहले 139 मीटर दर्ज किया गया था, आज दोपहर करीब 2:00 बजे 146 मीटर तक पहुंच गया था,

जिसके बाद यह घटने लगा। ज्यादातर मामलों में, जहां घरों में पानी घुस गया था, वहां लोगों ने अपनी छतों पर शरण ली। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की दो स्थानीय टीमें तुरंत जमीन पर सक्रिय हो गईं। हालांकि, सड़कों के संपर्क में भारी रुकावट के कारण राहत टीमों को मौके पर पहुंचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हमने राज्य सरकार से हवाई मदद की मांग की, जिसने केंद्र सरकार के साथ मिलकर हवाई बचाव अभियान का इंतजाम किया। हवाई मदद का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया गया। चित्रकूट के ष्ठरू ने ट्वीट किया, बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य लगातार चल रहे हैं। जिला प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें इन कामों में सक्रिय रूप से जुटी हुई हैं, जबकि चित्रकूट नगरपालिका प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई का काम कर रही है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है और जरूरी सेवाओं की बहाली, साफ-सफाई और लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है। रीवा में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने चित्रकूट में भारी बारिश और मंदाकिनी नदी में बाढ़ से पैदा हुए हालात को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन बैठक की। बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, हालात की जानकारी मिलने पर मैं बालाघाट से दिल्ली लौटा और आज रीवा पहुंचा।

शमशान

अब फ़ुर्सत कहाँ किसी को किसी से बात की,
बस यही एक जगह बची है मुलाक़ात की।

रिश्ते भी मतलब देखकर निभाए जाते हैं,
अपनों को छोड़, पद-कुर्सी वाले बुलाए जाते हैं।

बात होती है जहाँ केवल मतलब की बात की,
बस यही एक जगह बची है मुलाक़ात की।

इस जगह को भी नहीं छोड़ते हँसी-ठहाकों से,
किसी को ग़म नहीं है, कौन गुज़रा ज़माने से।

सबको तकल्लुफ़ है, ताल्लुक़ नहीं जज्बात की,
बस यही एक जगह बची है मुलाक़ात की।

जब ज़रूरत थी उनको, कोई मिलने न गया,
मौत आई तो सारा शहर श्मशान गया।

वहाँ चर्चा सभी कर रहे थे उनके हालात की,
बस यही एक जगह बची है मुलाक़ात की।

अब फ़ुर्सत कहाँ किसी को किसी से बात की,
बस यही एक जगह बची है मुलाक़ात की।

— डॉ. अरुण मिश्रा अकेला

CMYK

बीएसपी में वर्षों से जारी लोहा चोरी के पीछे संगठित गिरोह का आरोप, विधायक रिकेश सेन ने डीजीपी को लिखा पत्र

100 से अधिक संदिग्ध वाहनों को रातों-रात काटे जाने का दावा, आरटीओ रिकॉर्ड से ट्रांसपोर्टरों तक पहुंचने की मांग

भिलाई नगर। भिलाई इस्पात संयंत्र में कथित तौर पर वर्षों से चल रहे लोहा चोरी के मामले को लेकर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने अब पुलिस की भूमिका और जांच के तौर-तरीकों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। विधायक ने छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम को पत्र भेजकर बीएसपी की राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले कथित संगठित गिरोह की गहन जांच और उसके मुख्य सूत्रधारों तक पहुंचने की मांग की है।

विधायक ने पत्र में दावा किया है कि बीते करीब 40 वर्षों में बीएसपी से लगभग 10 हजार करोड़ रुपये के लोहे की चोरी हुई है। हालांकि इस राशि और चोरी की अवधि से संबंधित दावों की स्वतंत्र जांच एवं आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिन वाहनों के माध्यम से चोरी किए जाने की बात सामने आती रही है, उनमें से 100 से अधिक वाहनों को कथित तौर पर रातों-रात काट दिया गया। विधायक ने इसे जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए आरटीओ से ऐसे वाहनों का रिकॉर्ड निकलवाकर उनके मालिकों और संबंधित ट्रांसपोर्टरों तक पहुंचने की मांग की है।

गाड़ियों को ब्लैकलिस्ट करने के बजाय एफआईआर क्यों नहीं- रिकेश सेन ने बीएसपी प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि किसी ट्रांसपोर्टर या वाहन को प्लांट से चोरी के दौरान पकड़ा जाता था तो उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के बजाय वाहनों को ब्लैकलिस्ट किए जाने की प्रक्रिया क्यों अपनाई गई, इसकी भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच और दोष पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की है।

स्क्रैप टेंडर और प्लांट से बाहर जाने वाले माल के वजन पर सवाल- विधायक ने बीएसपी के स्क्रैप टेंडर और प्लांट से बाहर निकलने वाले माल की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। पत्र में उन्होंने पूछा है कि स्क्रैप और अन्य सामग्री के प्लांट से बाहर जाने के दौरान वजन, रिकॉर्डिंग और सुरक्षा जांच की व्यवस्था कितनी प्रभावी थी तथा सीआईएसएफ और संबंधित अधिकारियों की निगरानी में कहीं

कोई चूक तो नहीं हुई, इसकी जांच क्यों नहीं की जाती।

ट्रांसपोर्ट यूनियन की वसूली और आर्थिक नेटवर्क की जांच की मांग- पत्र में ट्रांसपोर्ट यूनियन की कथित वसूली और उससे जुड़े आर्थिक लेन-देन की जांच की मांग भी की गई है। विधायक ने आरोप लगाया है कि यूनियन के माध्यम से बड़ी रकम की वसूली और उसके संभावित बंटवारे की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने इस पूरे आर्थिक नेटवर्क को लोहा चोरी के मामले से जोड़कर देखने की मांग की है।

एक मामले की कार्रवाई को पूरे लोहा चोरी प्रकरण से न जोड़ा जाए- रिकेश सेन ने हाल में पुलिस द्वारा भाजपा के एक मंडल पदाधिकारी की गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति के खिलाफहुई कार्रवाई को पूरे बीएसपी लोहा चोरी प्रकरण से जोड़कर राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। उनका सवाल है कि यदि दशकों से इतने बड़े पैमाने पर चोरी का आरोप है तो इसकी जांच केवल छोटे स्तर के आरोपियों तक सीमित क्यों रहे। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की जांच में राजनीतिक दबाव अथवा पूर्वाग्रह से मुक्त होकर कार्रवाई करने तथा जांच की वास्तविक स्थिति को सार्वजनिक करने की मांग की है।

समाजसेवा के पीछे धन का स्रोत भी जांचे पुलिस- विधायक ने पत्र में ऐसे ट्रांसपोर्टरों की आर्थिक गतिविधियों की जांच की मांग की है, जिन पर लंबे समय से बीएसपी से चोरी के आरोप लगाए जाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की आय और संपत्ति के स्रोत संदिग्ध हैं तथा वह बड़े पैमाने पर सामाजिक गतिविधियों में धन खर्च कर रहा है तो पुलिस और संबंधित जांच एजेंसियों को धन के स्रोत और संपत्ति के वास्तविक स्वरूप की जांच करनी चाहिए।

रसमड़ा की फैक्ट्री तक पहुंचने की मांग- पत्र में विधायक ने रसमड़ा क्षेत्र की एक फैक्ट्री का भी उल्लेख किया है। उनका आरोप है कि बीएसपी से चोरी किया गया लोहा वहां पहुंचता था। उन्होंने पुलिस से इस दावे की निष्पक्ष जांच करने तथा यदि चोरी के माल की खरीद-बिक्री या भंडारण के प्रमाण मिलते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफकानूनी कार्रवाई की मांग की है।

दुर्ग पुलिस की कार्रवाई अलग, असली नेटवर्क तक पहुंचना जरूरी- विधायक ने स्पष्ट किया कि दुर्ग पुलिस द्वारा अब तक लोहा चोरी के मामले में की गई गिरफ्तारियां और जांच अपनी जगह है, लेकिन उनके अनुसार मामले के पीछे मौजूद कथित बड़े नेटवर्क और मुख्य सूत्रधारों तक पहुंचना अभी बाकी है। उन्होंने डीजीपी से पूरे मामले को व्यापक स्तर पर देखने और आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय जांच एजेंसियों से जांच कराने की मांग दोहराई है।

डीजीपी से सीधे हस्तक्षेप की अपील- अपने पत्र के अंतिम हिस्से में विधायक रिकेश सेन ने डीजीपी अरुण देव गौतम की कार्यशैली और ईमानदार छवि का उल्लेख करते हुए उनसे इस मामले में व्यक्तिगत रूप से संज्ञान लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बीएसपी की संपत्ति केवल किसी एक संस्थान की नहीं बल्कि देश की राष्ट्रीय संपत्ति है और इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी संबंधित एजेंसियों की जिम्मेदारी है।

विधायक की मांग है कि बीएसपी लोहा चोरी प्रकरण की जांच को केवल पकड़े गए आरोपियों तक सीमित न रखते हुए वाहनों, ट्रांसपोर्टरों, स्क्रैप कारोबार, खरीददारों, संबंधित अधिकारियों और कथित आर्थिक नेटवर्क की कड़ियों को जोड़कर किया जाए, ताकि यदि कोई संगठित गिरोह सक्रिय है तो उसके पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हो सके।

सावन महोत्सव व तीज मिलन समारोह में महिलाओं ने बिखेरा उत्साह

दुर्ग। महिला प्रकोष्ठ तहसील साहू संघ दुर्ग शहर द्वारा रविवार को साहू सदन, केलाबाड़ी में सावन महोत्सव एवं तीज मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत भक्त माता कर्मा की आरती एवं पूजन से हुई। इसके बाद पगड़ी एवं मटरो सिटी का सुहाना सफर सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान के साथ छत्तीसगढ़ की जानकारी पर आधारित प्रश्नोत्तरी, व्यंजन प्रतियोगिता और डांस प्रतियोगिता ने कार्यक्रम में उत्साह भर दिया। महिलाओं ने तीज मिलन के अवसर पर पारंपरिक परिधान में सहभागिता कर सावन की खुशियों को साझा किया।

समारोह में मंजू साहू सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महिला प्रकोष्ठ की पदाधिकारियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली महिलाओं का सम्मान भी किया गया।

आयोजकों ने बताया कि सावन महोत्सव एवं तीज मिलन का उद्देश्य समाज की महिलाओं को एक मंच पर लाकर आपसी मेल-जोल, सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकजुटता को मजबूत करना है। समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता रही और पूरा आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

महिला प्रकोष्ठ तहसील साहू संघ दुर्ग शहर की अध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारीगण ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी अतिथियों, समाजजनों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया

शिवनाथ नदी का बढ़ा जलस्तर, एनीकट के ऊपर से बह रहा पानी

तेज बहाव देखने उमड़ी लोगों की भीड़, प्रशासन ने जारी किया सतर्कता अलर्ट

दुर्ग। जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते शिवनाथ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। नदी में पानी का बहाव बढ़ने से महमरा एनीकट के ऊपर से पानी बह रहा है। बढ़े जलस्तर और तेज बहाव का नजारा देखने बड़ी संख्या में लोग नदी के आसपास पहुंच रहे हैं।

नदी के तेज बहाव को देखने पहुंचे लोग अपने मोबाइल कैमरों में तस्वीरें और वीडियो कैद करते नजर आए। बारिश के कारण नदी में लगातार पानी की आवक बनी हुई है, जिससे जलस्तर में और वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है।

इधर, प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। नदी के किनारे और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से जाने से बचने तथा सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने कहा गया है। प्रशासन द्वारा स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के 22 जिलों में भारी बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। ऐसे में आने वाले समय में शिवनाथ नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका बनी हुई है। प्रशासन ने नदी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

धमतरी। शहर में स्व.विजय लाल एवं पतासी देवी बरडिया की स्मृति में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का आयोजन रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक श्री जैन स्थानक भवन, सिहावा चौक के पास धमतरी में होगा। शिविर का आयोजन बरडिया परिवार, धमतरी द्वारा किया जा रहा है। इसके लिए एमएमआई नारायण हॉस्पिटल रायपुर, श्री अरविंदो नेत्रालय रायपुर तथा भगवान महावीर जैन रिलीफ ट्रस्ट एवं अरविंदो नेत्रालय रायपुर का सहयोग लिया गया है। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच की जाएगी। इनमें हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ सुमंता शेखर पाढ़ी, लेप्रोस्कोपी एवं जीआई सर्जन डॉ गौरव जोशी, कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ देवव्रत द्विवेदी, मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ कौशलेश तिवारी तथा नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ डॉ अदिति शर्मा शामिल हैं।

इसके अलावा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ आनंद सक्सेना द्वारा आंखों की जांच, मोतियाबिंद ऑपरेशन संबंधी परामर्श और चश्मे का वितरण किया जाएगा। शिविर में बीपी, शुगर एवं ईसीजी जांच की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। आयोजकों ने स्वास्थ्य जांच के लिए आने वाले लोगों से अपना आधार कार्ड साथ लाने की अपील की है। शिविर के लिए अग्रिम पंजीयन एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्क किया जा सकता है।

ज्ञान अमृत इंग्लिश स्कूल में राखी, पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता आयोजित

धमतरी। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर ज्ञान अमृत इंग्लिश हाईस्कूल धमतरी में विद्यार्थियों के बीच भारतीय संस्कृति, भाई-बहन के पवित्र प्रेम एवं आपसी स्नेह की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राखी बनाओ एवं पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता तथा राखी बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए विभिन्न रंगों, मोतियों, धागों एवं सजावटी सामग्रियों का उपयोग कर आकर्षक एवं सुंदर राखियो का निर्माण किया। साथ ही विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन की भावना एवं भाई.बहन के प्रेम को दर्शाते हुए सुंदर पोस्टर भी तैयार किए। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता, कलात्मक अभिव्यक्ति, सहयोग की भावना तथा भारतीय पर्व.परंपराओं के प्रति सम्मान विकसित करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के अगले चरण में छात्राओं ने अपने सहपाठी छात्रों की कलाई पर स्वयं द्वारा बनाई गई सुंदर राखियां बांधी तथा भाई.बहन के स्नेह, विश्वास और एक दूसरे की रक्षा एवं सम्मान का संकल्प लिया। छात्राओं द्वारा बनाई गई हस्तनिर्मित राखियो ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। विद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, जिम्मेदारी, सम्मान और पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने का संदेश देने वाला पर्व है। ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को हमारी समृद्ध भारतीय परंपराओं से जोड़ने के साथ.साथ उनकी प्रतिभा को निखारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पर्यटन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026'

10 श्रेणियों में होंगे पुरस्कार, प्रत्येक विजेता को 11 हजार व मेमेंटो; 15 सितंबर तक आवेदन

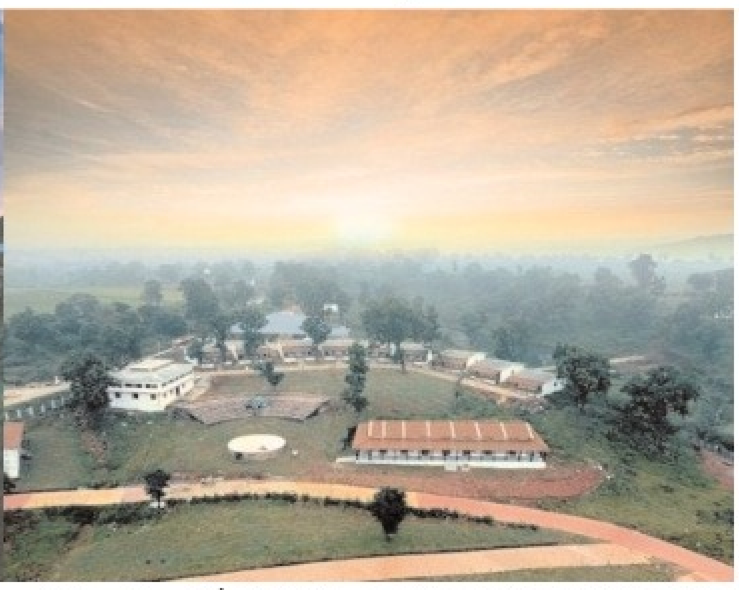

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों, संस्थाओं एवं व्यक्तियों के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड लगातार दूसरे वर्ष 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026' प्रदान करेगा। पुरस्कार के लिए विभिन्न पर्यटन क्षेत्रों को शामिल करते हुए कुल 10 श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। प्रत्येक श्रेणी के विजेता को 11 हजार की पुरस्कार राशि एवं मेमेंटो प्रदान किया जाएगा।

पुरस्कार के लिए इच्छुक व्यक्ति, संस्थाएं एवं पात्र पर्यटन हितधारक 15 सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन ई-मेल के माध्यम से it@visitcg.in पर भेजे जा सकते हैं। आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

इन 10 श्रेणियों में मिलेगा पुरस्कार- पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ होटल, सर्वश्रेष्ठ पंजीकृत टूर ऑपरेटर, सर्वश्रेष्ठ जिला टूरिज्म प्रमोशन, सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्टार्टअप/उद्यमिता, CTB Star Performer-सर्वश्रेष्ठ रिसॉर्ट, CTB Star Performer-पर्यटक सूचना केंद्र, सर्वश्रेष्ठ होमस्टे, सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, सर्वश्रेष्ठ इको टूरिज्म साइट और सर्वश्रेष्ठ एडवेंचर टूरिज्म शामिल हैं।

सेवा, नवाचार और पर्यटन प्रचार पर जोर- होटल एवं रिसॉर्ट श्रेणी में सेवाओं की गुणवत्ता, सुविधाएं, कारोबार, अधिभोग, ग्राहक संतुष्टि और रोजगार सृजन जैसे मानकों को महत्व दिया जाएगा। वहीं टूर ऑपरेटरों का चयन आवास, परिवहन, दर्शनीय स्थलों की यात्रा, मनोरंजन एवं अन्य पर्यटन गतिविधियों के संचालन तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन के प्रचार-प्रसार में योगदान के आधार पर किया जाएगा।

सर्वश्रेष्ठ जिला टूरिज्म प्रमोशन पुरस्कार के लिए पर्यटन स्थलों के विकास, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, पर्यटकों की संख्या बढ़ाने, स्थानीय संस्कृति एवं ग्रामीण जीवनशैली को पर्यटन से जोड़ने तथा रोजगार सृजन जैसे पहलुओं का मूल्यांकन किया जाएगा।

स्टार्टअप और होमस्टे को भी मिलेगा प्रोत्साहन- पर्यटन क्षेत्र में नए विचार, तकनीक, सेवाओं और व्यावसायिक मॉडल के जरिए बदलाव लाने वाले स्टार्टअप एवं उद्यमियों को भी पुरस्कार योजना में शामिल किया गया है। वहीं होमस्टे श्रेणी में बुकिंग, राजस्व, पर्यटकों की संख्या, ग्राहक समीक्षा, सुविधाओं तथा स्थानीय उत्पादों और व्यंजनों को बढ़ावा देने जैसे मानकों को आधार बनाया जाएगा।

डिजिटल प्रचार और इको-टूरिज्म पर विशेष ध्यान- सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्रेणी में छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों से जुड़े रील्स, वीडियो और डिजिटल कंटेंट के माध्यम से राज्य की ब्रांडिंग करने वाले कंटेंट क्रिएटर्स को सम्मानित किया जाएगा। फेसबुक, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर कंटेंट की पहुंच और पिछले वर्षों के प्रदर्शन को मूल्यांकन में शामिल किया जाएगा।

इको-टूरिज्म श्रेणी में पर्यावरण संरक्षण, जल एवं ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, स्थानीय समुदायों की भागीदारी तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को प्राथमिकता दी जाएगी। एडवेंचर टूरिज्म श्रेणी में कैंपिंग एवं अन्य साहसिक गतिविधियों के सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण संचालन, पर्यटकों की संख्या, राजस्व तथा नए एडवेंचर प्रोडक्ट विकसित करने जैसे प्रयासों का मूल्यांकन होगा।

15 सितंबर अंतिम तिथि- प्राप्त आवेदनों का मूल्यांकन पर्यटन विभाग एवं निर्णायक समिति द्वारा निर्धारित पात्रता और मूल्यांकन मानकों के आधार पर किया जाएगा। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड का उद्देश्य पुरस्कार के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, नवाचार, गुणवत्तापूर्ण सेवाओं, सतत पर्यटन और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देना है।

आनंद सरोवर बघेरा में आध्यात्मिक वातावरण में मनाया जा रहा रक्षाबंधन पर्व

रक्षा सूत्र बांधकर प्रेम, पवित्रता और सद्भावना का दिया संदेश

दुर्ग। शहर के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से रक्षा माह के अंतर्गत रक्षाबंधन पर्व आध्यात्मिक वातावरण में मनाया जा रहा है। 15 अगस्त से 15 सितंबर तक चलने वाले इस विशेष आयोजन के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

रक्षाबंधन के अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने भाई-बहनों को रक्षा सूत्र बांधकर प्रेम, पवित्रता और सद्भावना का संदेश दिया। इस दौरान उपस्थित लोगों को मन, वाणी और कर्म को पवित्र रखने तथा नशे सहित जीवन की विभिन्न बुराइयों से दूर रहने का संकल्प भी दिलाया गया।

आनंद सरोवर बघेरा में आयोजित कार्यक्रम आध्यात्म और भक्ति के वातावरण से सराबोर रहा। ब्रह्माकुमारी बहनों ने रक्षा सूत्र के आध्यात्मिक महत्व को बताते हुए भाई-बहनों के बीच प्रेम, आत्मिक संबंध और सकारात्मक सोच को मजबूत करने का संदेश दिया। आयोजकों ने बताया कि यहां रक्षाबंधन को केवल पारंपरिक पर्व के रूप में नहीं, बल्कि आत्मिक जागृति और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के संकल्प के रूप में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को आध्यात्मिक जीवन अपनाने, बुरी आदतों से दूर रहने और समाज में प्रेम एवं सद्भावना बढ़ाने का संदेश दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

रेत से भरे ट्रैक्टर ने मासूम को कुचला, मौके पर मौत

रायपुर। सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे के बाद जमकर हंगामा हो गया। कुरूद थाना क्षेत्र के ग्राम नारी में रेत से भरे ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने ट्रैक्टर चालक की जमकर पिटाई कर दी। चालक बेसुध हालत में मौके पर पड़ा मिला। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण नारी बस स्टैंड के पास एकत्रित हो गए और चक्काजाम कर दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने हादसे के लिए जिम्मेदार बताए जा रहे ट्रैक्टर में आग भी लगा दी, जिससे मौके पर तनावपूर्ण स्थिति निर्मित हो गई। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह रेत से भरा ट्रैक्टर गांव से गुजर रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर ने एक मासूम को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए और आक्रोशित होकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने सड़क पर चक्काजाम करते हुए ट्रैक्टर चालक की पिटाई की। बाद में ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही कुरूद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

तेज रफ्तार बाइक टीआरएन कंपनी की दीवार से टकराई

रायपुर। जिले के घरघोड़ा थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, हादसा रात करीब 8 बजे भेंगारी से टीआरएन कंपनी की ओर जाने वाले मार्ग पर हुआ। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर टीआरएन कंपनी की दीवार से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दो युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही घरघोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। फिलहाल मृतकों और घायल युवक की पहचान नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह बाइक की तेज रफ्तार सामने आ रही है। हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

पुलिस ने सड़क पर बैठे मवेशियों के गले में बांधी रेडियम पट्टी

रायपुर। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हेमसागर सिदार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बोडला श्री अखिलेश कौशिक के पर्यवेक्षण में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आमजन तथा पशुओं की सुरक्षा के लिए कबीरधाम पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी बोडला निरीक्षक श्री रूपक शर्मा के नेतृत्व में थाना बोडला पुलिस टीम द्वारा सड़क पर बैठे एवं विचरण करने वाले गौवंश एवं अन्य मवेशियों के गले में रेडियम पट्टी बांधी गई। रेडियम पट्टी पर वाहन की हेडलाइट पड़ते ही वह चमकती है, जिससे रात के समय वाहन चालकों को सड़क पर मौजूद मवेशी दूर से दिखाई देंगे।

प्रदेश में मजबूत हो रहा खेल अधोसंरचना का नेटवर्क

मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान

- राष्ट्रीय खेल दिवस पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 126 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को प्रदान किए राज्य खेल अलंकरण
- 666 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को मिली 1.74 करोड़ रुपए से अधिक की पुरस्कार एवं प्रोत्साहन राशि

रायपुर/ संवादाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य खेल अलंकरण समारोह में प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने वर्ष 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 के लिए 126 उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को राज्य खेल अलंकरण प्रदान किए। समारोह में राज्य खेल अलंकरण प्राप्त खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों के साथ ही 540 अन्य खिलाड़ियों को भी नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस प्रकार कुल 666 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को 1 करोड़ 74 लाख 19 हजार रुपए की पुरस्कार एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में खिलाड़ी का परिश्रम, अनुशासन और संघर्ष केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसकी सफलता से पूरे

प्रदेश और देश का गौरव बढ़ता है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को संसाधनों और अवसरों की कमी के कारण पीछे न रहना पड़े। समारोह में उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल एवं श्री विजय बघेल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया जा रहा है। राज्य सरकार खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए भी लगातार कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में प्रदेश के 156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची जारी की गई है, जिससे उनके लिए शासकीय सेवा में नियुक्ति का रास्ता खुला है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को सम्मान और प्रोत्साहन देने के साथ उनके भविष्य को संवारना भी सरकार की प्राथमिकता है। इससे प्रदेश के युवाओं में खेलों को करियर के रूप में अपनाने का विश्वास और मजबूत होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के दूरस्थ और जनजातीय अंचलों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत उन्हें पहचानने, अवसर देने और उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार पिछले दो वर्षों से बस्तर ओलंपिक का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक के पहले आयोजन में 1 लाख 65 हजार युवाओं ने हिस्सा लिया था। दूसरे वर्ष यह संख्या बढ़कर 3 लाख 91 हजार तक पहुंच गई। इतनी बड़ी संख्या में युवाओं का खेल मैदान तक आना बस्तर में आ रहे सकारात्मक बदलाव और युवाओं के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से भी स्थानीय प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर दिया गया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन किया गया। इन आयोजनों के जरिए राज्य सरकार प्रतिभाओं को तलाशने के साथ उन्हें प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा का बेहतर वातावरण उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ में खेलों और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए पांच मिशन पर काम कर रही है।

भाजपा का महीनेभर चलेगा विशेष अभियान

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक सेवा और जनसमर्पण के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में एक माह तक विभिन्न सेवा और जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करेगी। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने के लिए 29 अगस्त को रायपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशस्तरीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में पार्टी के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और प्रदेशभर के प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में सुबह 11 बजे शुरू होने वाली इस कार्यशाला में 17 सितंबर से शुरू होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत योजना पर चर्चा की जाएगी। साथ ही अलग-अलग आयोजनों के लिए पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां भी सौंपी जाएंगी। कार्यशाला में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. कविता पाटीदार, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय तथा अभियान से जुड़े ओपी चौधरी मौजूद रहेंगे। भाजपा के मुताबिक, महीनेभर चलने वाले अभियान में सेवा, रचनात्मक गतिविधियों और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश स्तर की कार्यशाला के बाद इन कार्यक्रमों को जिले और स्थानीय स्तर तक पहुंचाने की तैयारी की जाएगी।

महतारी वंदन योजना से सीमा को मिला आर्थिक संबल, सपनों को मिली उड़ान....

- भाई का स्नेह, बहनों का अधिकार, विष्णु भैया के साथ आत्मनिर्भर परिवार

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील सोच और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में संचालित महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के तहत हर माह मिलने वाली आर्थिक सहायता से माताएं परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ अपने बच्चों की शिक्षा, पोषण और बेहतर भविष्य के लिए भी आगे बढ़ रही हैं। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम

पाडारवानी निवासी श्रीमती सीमा उइके के लिए महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में मिली एक हजार रुपए की राशि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की राह में महत्वपूर्ण सहारा बन रही है। वे योजना से प्राप्त राशि का उपयोग बच्चों की शिक्षा एवं उनकी आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में कर रही हैं।रक्षाबंधन से पहले खाते में राशि पहुंचने से सीमा उइके की खुशियां दोगुनी हो गईं। उन्होंने कहा कि, विष्णु भैया ने सितंबर माह की राशि अगस्त में ही देकर हम बहनों को रक्षाबंधन का उपहार दिया है। इससे हमारी खुशियां दोगुनी हो गई हैं। श्रीमती सीमा ने बताया कि महतारी वंदन योजना से हर महीने मिलने वाली आर्थिक सहायता परिवार की जरूरतों को पूरा करने में काफी मददगार साबित हो रही है। इस राशि से बच्चों की शिक्षा, पोषण और अन्य आवश्यकताओं पर खर्च करने में उन्हें सहूलियत मिलती है। नियमित रूप से मिलने वाली आर्थिक सहायता से परिवार के खर्चों को व्यवस्थित करने में भी मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए आर्थिक संबल का मजबूत आधार बन रही है। योजना से मिली नियमित सहायता ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है।

महतारी वंदन योजना से मिली आर्थिक संबल की ताकत, बचत से खरीदी सिलाई मशीन

- पार्वती बघेल घर बैठे कर रहीं अतिरिक्त आमदनी, छोटी बचत से संवार रहीं बेटी का भविष्य
- रक्षाबंधन के पहले सहायता राशि देने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति जताया कृतज्ञता

रायपुर/ संवाददाता

महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की नई राह खोल रही है। योजना से मिलने वाली सहायता राशि का उपयोग महिलाएं घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ बचत और स्वरोजगार के लिए भी कर रही हैं। ऐसी ही प्रेरक कहानी बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड के ग्राम मेटावाड़ा निवासी श्रीमती पार्वती बघेल की है, जिन्होंने महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि की छोटी-छोटी बचत कर सिलाई मशीन खरीदी और अब घर बैठे ग्रामीणों के कपड़े सिलाई कर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रही हैं। श्रीमती पार्वती बघेल बताती हैं कि उनका आठ सदस्यीय परिवार सात एकड़ पुश्तैनी कृषि भूमि पर खेती-किसानी कर जीवन यापन करता है। पति के साथ वह भी खेती के कार्यों में हाथ बंटाती हैं। इसके साथ ही घर में ब्लाउज, पेटीकोट सहित अन्य कपड़ों की सिलाई का काम करती हैं। पहले सिलाई के लिए पर्याप्त सुविधा नहीं थी, लेकिन नियमित बचत से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी। अब गांव के लोग अपने कपड़े सिलाई के लिए उनके घर लेकर आते हैं, जिससे उन्हें घर के कामकाज के साथ अतिरिक्त आमदनी का जरिया भी मिल गया है। पार्वती कहती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए सिर्फ घरेलू जरूरतों को पूरा करने का माध्यम नहीं है, बल्कि इसने उन्हें बचत करने और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर भी दिया है। वह हर महीने प्राप्त सहायता राशि में से अपनी जरूरत के अनुसार खर्च करने के बाद कुछ राशि बचाने का प्रयास करती हैं। उनकी इच्छा है कि यह बचत भविष्य में उनकी छोटी बेटी की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं के काम आए। उन्होंने बताया कि खेती-किसानी परिवार की मुख्य आय का साधन है, लेकिन सिलाई कार्य से होने वाली अतिरिक्त आमदनी से छोटी-छोटी घरेलू जरूरतों को पूरा करने में सुविधा होती है।

राखी के धागे में विश्वास अपार, बहनों के साथ विष्णुदेव भैया की सरकार...

- रक्षाबंधन से पहले महतारी वंदन की राशि बनी बहनों के लिए उपहार
- पुहपुटरा की पती बाई ने मुख्यमंत्री विष्णु भैया के प्रति जताया आभार

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की राशि मिलने से जिले की महिलाओं में त्यौहार की खुशियां बढ़ी हैं। लखनपुर विकासखंड ग्राम पंचायत पुहपुटरा की रहने वाली श्रीमती पती बाई ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया की

सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना के तहत उनके खाते में हर माह 1,000 की राशि अंतरित की जाती है। इस राशि से वे अपने भाई के लिए राखी और मिठाई खरीदकर रक्षाबंधन का पर्व उत्साहपूर्वक मना रहे हैं। पती बाई ने कहा कि रक्षाबंधन से पहले महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त खाते में आने से उन्हें विशेष खुशी हुई है। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग वे अपने भाई के लिए राखी और मिठाई खरीदने में करेंगी। उनके लिए यह राशि रक्षाबंधन के अवसर पर मिले उपहार के समान है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक संबल देने के लिए चलाई जा रही महतारी वंदन योजना से उन्हें नियमित रूप से सहायता मिल रही है। रक्षाबंधन जैसे पारिवारिक और भावनात्मक पर्व के अवसर पर समय से राशि मिलने से वे अपने भाई के प्रति स्नेह और प्रेम के इस पर्व को खुशी के साथ मना पा रही हैं। पती बाई ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विष्णु भैया का बहुत-बहुत धन्यवाद।

दो किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार किए.....

रायपुर। राजधानी रायपुर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में थाना डीडी नगर पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 27 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रवि उर्फ चिन्ना राव (30) काले रंग के चमड़े के बैग में गांजा लेकर इंद्रप्रस्थ कॉलोनी से रायपुर अस्पताल की ओर पैदल जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने नियमानुसार आरोपी के बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से गांजा बरामद हुआ। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से वजन करने पर गांजे की मात्रा 2 किलोग्राम पाई गई। पुलिस ने मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के बाद उसकी पहचान रवि उर्फ चिन्ना राव, निवासी बीएसयूपी कॉलोनी, ए ब्लॉक, सरोना, रायपुर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 540/2026 के तहत स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम की धारा 20(बी) में मामला दर्ज किया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

महिला पुलिसकर्मियों ने भी बढ़ाया भाईचारे का हाथ

जहां कभी बंदूक थी, वहां बंधा रिश्तों का धागा...अंचल में दिखा भाईचारा

- बस्तर में राखी ने बदली 'दुश्मनी' की परिभाषा
- 25 साल नक्सली संगठन में रहीं मीना ने जवानों की कलाई पर बांधी राखी

रायपुर/ संवाददाता

कलाई आगे बढ़ी तो कुछ पल के लिए जैसे समय ठहर गया। सामने सुरक्षा बल का जवान था और हाथ में राखी लिए खड़ी थी वह महिला, जिसकी जिंदगी के करीब 25 साल जंगल, नक्सली संगठन और संघर्ष के बीच बीते थे। कभी जिस वर्दी को देखकर मन में टकराव और अविश्वास पैदा होता था, उसी वर्दी की कलाई पर इस बार उसने राखी बांधी। जवान ने भी बहन का रिश्ता स्वीकार किया, शगुन दिया और मिठाई खिलाई। भानुप्रतापपुर के सुरक्षा बल कैंप में रक्षाबंधन का यह दृश्य बस्तर की बदलती तस्वीर की कहानी कह रहा था। यह सिर्फ राखी बांधने का कार्यक्रम नहीं था। यह उस दूरी को पाटने की कोशिश थी, जो वर्षों के हिंसक संघर्ष ने समाज और सुरक्षा बलों के बीच पैदा कर दी थी। करीब 25 वर्षों तक नक्सली संगठन का हिस्सा रहीं मीना और अन्य पूर्व नक्सली महिलाओं के लिए यह पल सामान्य नहीं था। जंगल की जिंदगी में हथियार और संघर्ष उनका अतीत रहे हैं। लेकिन अब वही हाथ एक नए रिश्ते की शुरुआत कर रहे थे। सुरक्षा बल के कैंप में पहुंचीं पूर्व नक्सली महिलाओं ने जवानों की कलाई पर राखी बांधी। जवानों ने भी उन्हें बहन के रूप में स्वीकार किया। शगुन दिया, मिठाई खिलाई और इस रिश्ते को सम्मान दिया। यह तस्वीर इसलिए भी खास थी क्योंकि बस्तर में कई सालों तक सुरक्षा बल और नक्सली आमने-सामने रहे हैं। गोलियों और बारूदी सुरंगों के बीच बने इस तनाव के बीच एक राखी ने संवाद और विश्वास की एक नई जगह बनाई। इस आयोजन में महिला पुलिसकर्मियों ने भी हिस्सा लिया। कभी नक्सल हिंसा के खिलाफ अभियानों और सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा रहे सुरक्षा बल के जवान और पूर्व नक्सली महिलाएं इस दिन किसी संघर्ष के दो पक्ष नहीं, बल्कि एक-दूसरे के भाई-बहन नजर आए।

रक्षाबंधन के इस छोटे से आयोजन में संदेश बड़ा थाकृअगर हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटे लोगों को समाज में स्वीकार्यता मिले और सुरक्षा बलों के साथ विश्वास का रिश्ता बने, तो नक्सल प्रभावित इलाकों में स्थायी शांति की राह और मजबूत हो सकती है। कांकेर एसपी श्री निखिल राखेचा ने इस पहल को नक्सल समस्या के समाधान की दिशा में एक अनूठा प्रयास बताया। उन्होंने कहा, यह एक अनूठा प्रयास है कि नक्सलवाद की जो समस्या थी, उसके समाधान की दिशा में हम जो कदम बढ़ा रहे हैं, उसका यह प्रतीक स्वरूप रक्षाबंधन है। इस रिश्ते के धागे से रिश्ते सामान्य होंगे। एसपी ने कहा कि ऐसे प्रयास केवल त्योहार मनाने तक सीमित नहीं हैं। इनका उद्देश्य समाज में विश्वास बहाली को मजबूत करना और मुख्यधारा से जुड़ने की प्रक्रिया को गति देना भी है। करीब ढाई दशक तक नक्सली संगठन का हिस्सा रहना किसी भी व्यक्ति की जिंदगी पर गहरी छाप छोड़ता है। जंगल की जिंदगी, संगठन की सोच और संघर्ष के बीच बीते वर्षों के बाद मुख्यधारा में लौटना आसान नहीं होता। ऐसे में राखी का यह धागा मीना और उनके साथ आई महिलाओं के लिए एक नए सामाजिक रिश्ते की शुरुआत जैसा था। जिस समाज और सुरक्षा व्यवस्था से कभी दूरी रही, उसी समाज के प्रतिनिधि जवान की कलाई पर राखी बांधना यह संकेत भी है कि अतीत की कड़वाहट को पीछे छोड़कर नई जिंदगी की ओर बढ़ने की कोशिश जारी है। बस्तर की कहानी लंबे समय तक नक्सली हिंसा, मुठभेड़, शहीद जवानों और भय के इर्द-गिर्द लिखी जाती रही। गांवों में बंदूक की मौजूदगी ने सामान्य जीवन को प्रभावित किया। विकास की राह भी हिंसा के साए में आगे बढ़ती रही। लेकिन अब इसी बस्तर से कहानी के कुछ नए अध्याय सामने आ रहे हैं। हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटते लोग, गांवों में पहुंचती विकास की योजनाएं, बनती सड़कें, खुलते स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ सामाजिक विश्वास बहाली के प्रयास भी बदलाव का हिस्सा बन रहे हैं। भानुप्रतापपुर का यह रक्षाबंधन उसी बदलाव की मानवीय तस्वीर है। राखी का धागा छोटा है, लेकिन इस आयोजन का संदेश बड़ा है।

संपादकीय

कागजों पर 'असुरक्षित' जमीन पर बेपरवाही, करोल बाग हादसे ने खोली व्यवस्था की पोल

जर्जर इमारतें सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण हादसों का सबब बन रही हैं। करोल बाग हादसा प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। असुरक्षित मकानों को तुरंत खाली कराकर सख्त कदम उठाना बेहद जरूरी है। देश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पुरानी एवं जर्जर इमारतें आम लोगों के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। कई बार स्थानीय प्रशासन की ओर से ऐसी इमारतों को 'असुरक्षित' तो घोषित कर दिया जाता है, लेकिन उन्हें खाली कराने में कोई तत्परता या गंभीरता नजर नहीं आती है।यही नहीं, कई दफा जर्जर भवन को मालिक खुद ही गिरा देते हैं, लेकिन इस कार्य में सुरक्षा के माकूल प्रबंधों का अभाव भी हादसे का कारण बन जाता है। ऐसी ही एक घटना बीते शुक्रवार को दिल्ली के करोल बाग इलाके में हुई, जब पुरानी दो मंजिला इमारत के ध्वस्तीकरण के दौरान एक श्रमिक की जान चली गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।पुलिस के मुताबिक, इस इमारत को गिराने के लिए सरकार के संबंधित महकमे से अनुमति नहीं ली गई थी। ऐसे में सवाल है कि अगर नियमों और सुरक्षा उपायों की अनदेखी की जाती है, तो क्या इसके लिए विभागीय अधिकारियों की भी जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए?गौरतलब है कि पुराने खस्ताहाल मकान हर साल खासकर बरसात के मौसम में लोगों की जान के लिए खतरा बन जाते हैं। यह समस्या खास तौर पर उन शहरों में ज्यादा गंभीर है, जहां घनी आबादी और पुरानी बस्तियां हैं। देश भर में जर्जर इमारतों को चिह्नित कर उन्हें सरकारी दस्तावेज में असुरक्षित घोषित करने की व्यवस्था पहले से मौजूद है।मगर स्थानीय प्रशासन का इस ओर ध्यान कम ही जाता है। जिन पुराने भवनों को असुरक्षित घोषित किया जाता है, उन्हें खाली कराने, गिराने या पुनर्निर्माण की प्रक्रिया भी वर्षों तक अटकी रहती है। यह विभागीय लापरवाही का ही नतीजा होता है कि ऐसी इमारतें कई बार हादसों का कारण बन जाती हैं।सवाल यह भी है कि करोल बाग इलाके में इमारत का ध्वस्तीकरण विभागीय अनुमति के बिना कैसे हो रहा था? जर्जर भवनों की पहचान करना और उन्हें गिराने के कार्य की निगरानी करना किसकी जिम्मेदारी है?कायदे से असुरक्षित इमारतों का नियमित वैज्ञानिक सर्वेक्षण होना चाहिए और उनकी श्रेणीबद्ध सूची सार्वजनिक की जानी चाहिए। साथ ही उन्हें खाली कराने और गिराने के लिए स्पष्ट नीति एवं योजना का होना भी जरूरी है।

अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। 'डीपफेक' ने वास्तविक और कृत्रिम के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। किसी व्यक्ति की आवाज, चेहरा और हाव-भाव को इतनी सहजता से बदला जा सकता है कि सामान्य व्यक्ति के लिए सत्य और असत्य में अंतर करना कठिन हो जाता है। इससे गलत सूचना का खतरा ही नहीं बढ़ता, बल्कि सामाजिक विश्वास की नींव भी कमजोर होती है। ऐसी स्थिति में समाधान संतुलित होना चाहिए, कठोर सेंसरशिप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकती है। डिजिटल मंचों को पूरी तरह अनियंत्रित छोड़ना भी उचित नहीं है, क्योंकि वे जनमत निर्माण की अत्यंत प्रभावशाली शक्ति बन चुके हैं।

डिजिटल युग में 'सत्य' की परीक्षा- सूचना की बाढ़ में खोता सामाजिक भरोसा

(अतुल अग्रवाल)

डिजिटल क्रांति ने सूचना प्रवाह को तेज़ किया है, पर एआई डीपफेक और फेक न्यूज़ से सामाजिक भरोसा कम हुआ है। सत्य की रक्षा के लिए पारदर्शी नियमन, डिजिटल साक्षरता और जागरूक नागरिक की साझा जिम्मेदारी जरूरी है। एक समय था जब सूचनाएं समाज तक पहुंचने से पहले सत्यापन, संपादन और विवेक की अनेक कसौटियों से गुजरती थीं। अखबारों, रेडियो और टेलीविजन के माध्यम से प्रसारित समाचारों के पीछे पत्रकारिता की नैतिकता और संपादकीय उत्तरदायित्व होता था। सूचना का प्रवाह भले ही आज की तुलना में धीमा था, लेकिन उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसका भरोसा था।मगर डिजिटल क्रांति ने संचार की इस पूरी संस्कृति को बदल दिया है। आज कोई अफवाह, अधूरा वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार तस्वीर, किसी भाषण का काट-छांट किया गया अंश या किसी गुमनाम व्यक्ति की पोस्ट कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। ऐसी सामग्री के सही या गलत होने पर बहस बाद में होती है, लेकिन तब तक वह लोगों की सोच और सामाजिक धारणाओं को प्रभावित कर चुकी होती है।

इसलिए आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल झूठी सूचनाओं का प्रसार ही नहीं, बल्कि सत्य के प्रति समाज के भरोसे का कमजोर पड़ना भी है। निस्संदेह, डिजिटल माध्यमों ने संवाद को अधिक लोकतांत्रिक बनाया है। साधारण नागरिक भी घटनास्थल से तत्काल तस्वीरें और वीडियो साझा कर सकता है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत कार्यों का समन्वय तेज हुआ है।

छोटे उद्यमियों को नए अवसर मिले हैं, कलाकारों और लेखकों को वैश्विक मंच मिला है तथा शिक्षा एवं शोध भौगोलिक सीमाओं से काफी हद तक मुक्त हुए हैं। जिन समुदायों की आवाज कभी मुख्यधारा तक नहीं पहुंचती थी, उन्हें भी अपने विचार रखने का अवसर मिला है। मगर तकनीक की यही शक्ति उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी बन गई है। डिजिटल मंचों की कार्यप्रणाली का उद्देश्य अक्सर सत्य की खोज से अधिक लोगों का ध्यान आकर्षित करना होता है।

इसलिए संतुलित विश्लेषण की तुलना में सनसनी, तर्क की अपेक्षा भावनाएं और तथ्यों की तुलना में उत्तेजक सामग्री अधिक प्रभावशाली हो जाती है। क्रोध, भय और पूर्वाग्रह जैसी भावनाएं तेजी से फैलती हैं, जबकि संयमित और तथ्य आधारित व्याख्या पीछे छूट जाती है। लोग सोचने से पहले प्रतिक्रिया देने लगते हैं। भ्रामक सूचना कोई नई सामाजिक समस्या नहीं है। इतिहास अफवाहों, दुष्प्रचार और अतिशयोक्ति का साक्षी रहा है। अंतर केवल इतना है कि पहले झूठ को फैलने में समय लगता था, जबकि आज तकनीक ने उसे अभूतपूर्व गति और व्यापक पहुंच दे दी है।

जब कोई असत्य बार-बार दोहराया जाता है, तो वह सच जैसा प्रतीत होने लगता है। अधिकांश लोग किसी संदेश को साझा करने से पहले उसके स्रोत की पड़ताल नहीं करते। झूठ सिर्फ इसलिए सफल नहीं होता कि उसके पीछे मिथ्या तर्कों का जाल बुना होता है, बल्कि इसलिए सफल होता है कि वह सत्य से पहले लोगों तक पहुंच जाता है और उनकी भावनाओं को प्रभावित करता है। इसके दुष्परिणाम सार्वजनिक जीवन के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देते हैं।

चुनावों के दौरान भ्रामक आंकड़े, संदर्भ से काटे गए वीडियो और दुष्प्रचार के अभियान मतदाताओं को भ्रमित करते हैं। भारत जैसे बहुलतावादी समाज में सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों ने कई बार सांप्रदायिक तनाव को भी जन्म दिया। इससे स्पष्ट है कि आभासी दुनिया में फैलाया गया झूठ वास्तविक दुनिया में गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है।

अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। 'डीपफेक' ने वास्तविक और कृत्रिम के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। किसी व्यक्ति की आवाज, चेहरा और हाव-भाव को इतनी सहजता से बदला जा सकता है कि सामान्य व्यक्ति के लिए

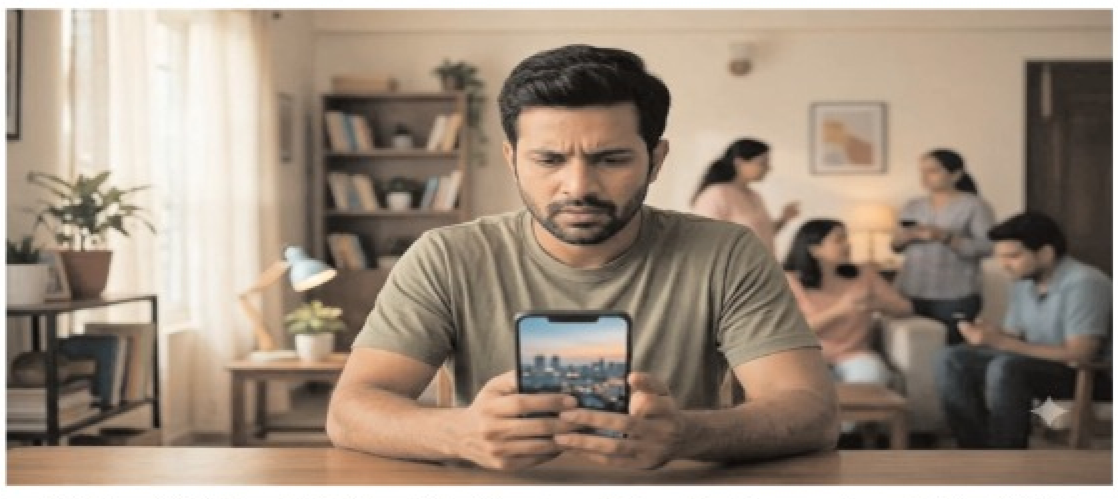

सत्य और असत्य में अंतर करना कठिन हो जाता है। इससे गलत सूचना का खतरा ही नहीं बढ़ता, बल्कि सामाजिक विश्वास की नींव भी कमजोर होती है। ऐसी स्थिति में समाधान संतुलित होना चाहिए, कठोर सेंसरशिप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकती है।

डिजिटल मंचों को पूरी तरह अनियंत्रित छोड़ना भी उचित नहीं है, क्योंकि वे जनमत निर्माण की अत्यंत प्रभावशाली शक्ति बन चुके हैं। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच स्वस्थ संतुलन स्थापित करे। यदि सोशल मीडिया मंच पर किसी सामग्री को हटाया या सीमित किया जाता है, तो प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष होनी चाहिए। इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि तकनीकी कंपनियां अब केवल संचार का माध्यम नहीं हैं, वे समाज के वैचारिक परिवेश को आकार देने वाली संस्थाएं बन गई हैं।

उनके डिजिटल ढांचे इस बात को प्रभावित करते हैं कि लोग क्या पढ़ेंगे, क्या देखेंगे और किन विषयों पर चर्चा करेंगे। इसलिए उन्हें अपनी कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी बनानी होगी, भारतीय भाषाओं में तथ्य-जांच की सशक्त व्यवस्था विकसित करनी होगी, भ्रामक सामग्री पर त्वरित कार्रवाई करनी होगी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित सामग्री को स्पष्ट रूप से चिह्नित करना होगा। साथ ही सामग्री नियमन से जुड़े निर्णय स्वतंत्र निगरानी और सार्वजनिक समीक्षा के दायरे में होने चाहिए।

इस परिदृश्य में पारंपरिक पत्रकारिता की भूमिका भी पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। सूचना की बाढ़ के दौर में केवल तथ्य प्रस्तुत करना पर्याप्त नहीं है, उनके संदर्भ, पृष्ठभूमि और प्रभाव को समझाना भी आवश्यक है। इसमें डिजिटल साक्षरता की भी अहम भूमिका है। नागरिकों को यह समझना जरूरी है कि कौन-सी सूचना विश्वसनीय है, कौन-सा वीडियो कृत्रिम रूप से तैयार किया गया है, कौन-सी भाषा केवल भावनाएं भड़काने के लिए प्रयुक्त हुई है और किन तथ्यों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि की जानी चाहिए।

दरअसल, आज आवश्यकता तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय विचारपूर्वक निर्णय लेने की संस्कृति विकसित करने की है। हर सूचना पर तुरंत विश्वास करना जितना खतरनाक है, उतना ही जोखिमपूर्ण उसे बिना कारण अनदेखा करना भी है। परिपक्व लोकतांत्रिक समाज वही है जहां नागरिक प्रश्न पूछते हैं, प्रमाण तलाशते हैं और पर्याप्त तथ्य उपलब्ध होने तक निर्णय सुरक्षित रखने का धैर्य रखते हैं। यह बौद्धिक धैर्य लोकतंत्र की बड़ी शक्ति है।

आभासी दुनिया में भ्रामक सूचनाओं की चुनौती का समाधान सरकार, तकनीकी कंपनियों, मीडिया, शिक्षा जगत और नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। सरकार को स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलित कानून बनाने होंगे। तकनीकी कंपनियों को सार्वजनिक विमर्श पर अपने प्रभाव को स्वीकार करते हुए अधिक जवाबदेह बनना होगा। शिक्षा जगत को आलोचनात्मक चिंतन और डिजिटल साक्षरता को आवश्यक कौशल बनाना होगा।

प्रत्येक नागरिक को यह समझना होगा कि वह केवल सूचना का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसके प्रसार की श्रृंखला का उत्तरदायी हिस्सा भी है। डिजिटल क्रांति ने मानवता को संवाद, सहयोग और नवाचार की असीम संभावनाएं दी हैं। इन उपलब्धियों को सुरक्षित रखने के लिए सत्य, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के प्रति समान प्रतिबद्धता आवश्यक है।

'दिमागी नक्सल' कौन? सरकार की नीतियों का विरोध देशद्रोह या देशभक्ति?

(तवलीन सिंह)

मैं क्या एक दिमागी नक्सल हूं? जब से प्रधानमंत्री ने लालकिले से पहली बार इस नए किस्म के इंसान के बारे में जिक्र किया, मुझे यह सवाल सताता रहा है। इस वास्ते कि मुझे लगने लगा है कि आगे मेरे जैसे कई लोगों के बारे में कहा जाएगा कि हम दिमागी नक्सल हैं सिर्फ इसलिए कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा का विरोध करते हैं और सरकार की कई नीतियों को हम गलत मानते हैं। मिसाल के तौर पर अगर कहूं कि मैं काकरोच जनता पार्टी के 'स्कूल ठीक करो अभियान' का समर्थन करती हूं, तो क्या मैं दिमागी नक्सल की श्रेणी में आ जाती हूं? मुझे इस अभियान से बहुत हमदर्दी है, क्योंकि कई सालों से मैं लिखती आई हूं कि देश में सबसे बड़ा आर्थिक सुधार शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव लाकर होगा। भारत के सरकारी स्कूल इतने रद्दी हैं कि हमको शर्म आनी चाहिए कि इतने वर्षों से देश के सबसे गरीब, लाचार बच्चों को पढ़ाई के नाम पर ऐसे स्कूलों में भेजा जाता है जिसको किसी दूसरे देश में स्कूल भी न माना जाए। जब से यह अभियान शुरू किया है काकरोच जनता पार्टी ने, उनके सदस्य रोज सोशल मीडिया पर रील डालते हैं ऐसे स्कूलों की जो तस्वीरों ही तस्वीरों में बताती हैं सारी कहानी। इन सभी रील में ऐसे स्कूल दिखाए गए हैं जिनमें छतें गिरने को हैं, जिनकी कक्षाओं में न बेंच हैं न मेज, न शिक्षक न किताबें और जिनके तथाकथित शौचालय इतने गंदे हैं कि कोई बहुत बेरहम शिक्षक ही होगा जो छोटे बच्चों को इनमें जाने पर मजबूर करता होगा। अभियान का समर्थन अब कई लोग करने लगे हैं, तो क्या इन सबको दिमागी नक्सल कहा जाएगा? भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ताओं की बातों से तो लगता ऐसा ही है। मोदी के मंत्री तक कहते हैं कि काकरोच पार्टी का संस्थापक असल में छात्र नहीं, आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता है और उसको छात्रों की इस मुहिम से जोड़ना ठीक नहीं है। क्यों ठीक नहीं है? शिक्षा का इतना बुरा हाल है अपने इस देश में कि अगर कोई उसको सुधारने के लिए अभियान शुरू करने को तैयार है, तो उसको देशभक्त कहना चाहिए। दिमागी नक्सल नहीं। तो कौन हैं ये दिमागी नक्सल जिनको लेकर प्रधानमंत्री इतने परेशान हैं कि इनका जिक्र उन्होंने लालकिले के प्राचीर से करना ठीक समझा? मैंने जब एक दो भाजपाई दोस्तों से यह पूछा, तो उन्होंने कहा कि दिमागी नक्सल वे लोग हैं जो माओवादी विचारधारा से प्रेरित होकर देश का विरोध करते हैं। सवाल है कैसा विरोध? क्या सरकार की नाकामियों का विरोध करना गलत है? क्या यह देशभक्ति नहीं है जब मेरे जैसे लोग दशकों से कोशिश करते आए हैं शिक्षा में सुधार लाने की। हमारी सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं भी इतनी रद्दी हैं कि इनमें भी क्रांतिकारी सुधार लाना जरूरी है। क्या आपने ऐसे अस्पताल नहीं देखे हैं जिनमें आवारा कुत्ते-बिल्लियां घूमते हैं और चूहे उन तारों को काटते दिखते हैं जिनसे ऑक्सीजन और दवाइयां दी जाती हैं मरीजों को? सच पूछिए तो मैं जब भी इन चीजों को देखती हूं, तो मुझे बहुत गुस्सा आता है। तो मैं देशभक्त हूं या दिमागी नक्सल? यहां स्पष्ट करना चाहती हूं कि माओवादी विचारधारा से मुझे नफरत है। मेरा मानना है कि भारत अगर दक्षिण-पूर्वी देशों से पीछे रह गया है, तो इसलिए कि हमने सोवियत यूनियन की नकल करके ऐसा समाजवाद थोपा है देश पर कि हमारी अर्थव्यवस्था आज तक इतनी कमजोर है कि वह नौजवानों को नौकरियां नहीं दे सकती है। शर्मिंदा होना चाहिए हमारे राजनेताओं को कि आज भी हमारे नौजवानों का एक ही सपना है और वह है किसी न किसी तरह सरकारी नौकरी हासिल करना। झारखंड में जो विरोध प्रदर्शन पिछले दिनों देखा उसमें आपने भी देखा होगा कि लोगों के हाथों में बड़े सारे पोस्टर थे जिनमें दाम लिखे थे सरकारी नौकरियों के। पुलिस में भर्ती के लिए कितने लाख रुपए, सरकारी स्कूल में शिक्षक बनने के लिए कितने लाख रुपए और सरकारी दफ्तरों में आला नौकरी लेने के लिए भी न जाने कितने लाख रुपए देने पड़ते हैं। मेरी नजर में जिन लोगों ने ये पोस्टर बनाए थे उनको देशभक्त कहना चाहिए दिमागी नक्सल नहीं? आपका क्या खयाल है? ऐसा कहने के बाद फिर आता है मन में वही सवाल- दिमागी नक्सल है कौन? किसकी तरफ इशारा कर रहे थे प्रधानमंत्री, जब उन्होंने यह बात कही। असली नक्सलवादी वे लोग हैं, जिन्होंने हथियार उठा कर हिंसा और भय फैलाने का काम किया है, जिसकी वजह से देश के कई हिस्सों में विकास नाम की कोई चीज नहीं हो सकी है। स्कूल बनते तो उनको तबाह कर दिया जाता था।

वंदे मातरम् पर विवाद क्यों? असहमति से पंथनिरपेक्षता तक छिड़ी नई बहस

प्रतिनिधियों के विरोध के कारण एक नहीं, दो बार सभा को स्थगित करना पड़ा। मगर जिन्ना टस से मस नहीं हुए। उनका तर्क था कि 'महात्मा' शब्द हिंदू अध्यात्म से जुड़ा है, इसलिए यह राजनीति में धर्म का समावेश है। यदि यह तर्क मान लिया जाता, तब भारत का संपूर्ण दर्शन सांप्रदायिक बन जाएगा, क्योंकि, यहां दर्शन और अध्यात्म के बीच रेखा खींचना नामुमकिन है। याज्ञवल्क्य से लेकर महावीर-बुद्ध-नानक सभी के दर्शन और अध्यात्म के बीच विभाजन रेखा ढूंढ़ना कठिन है।

(राकेश सिन्हा)

'वंदे मातरम्' के उन चार अंतरों में क्या है, जिसे पंथनिरपेक्षता के प्रतिकूल कहा जा रहा है? इस प्रश्न का उत्तर भारत की मौलिकता की खोज है। उन्हें सबसे आपत्तिजनक 'दुर्गा' (विद्या और ज्ञान वाहिनी या रिपुदलवारिणी, जिसका तात्पर्य है शत्रुओं का विनाश करने वाली) का उल्लेख लगता है। असहमति और आक्रोश या नापसंदगी और नफरत के बीच अंतर होता है। असहमति और नापसंदगी वैचारिक एवं तर्क पर आधारित होती है, जबकि आक्रोश और नफरत की बुनियाद प्रतिशोध एवं ताकत होती है। उदाहरण के लिए 'वंदे मातरम्' को संपूर्णता में गाने पर मोहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग की असहमति एवं इसके प्रति नापसंदगी थी। मगर स्वतंत्र भारत में कोई इस तरह का विरोध करता है, तो यह अनपेक्षित है। 'वंदे मातरम्' ने स्वदेशी, राष्ट्रीयता और उपनिवेशवाद-विरोध को ताकत दी थी और लोगों ने इसे गाते-गाते बलिदान दिया था। इनमें दो नाम उल्लेखनीय हैं। ओडिशा के बाजी राउत और असम की तिलेश्वरी बरुआ। दोनों की उम्र मात्र बारह वर्ष थी। औपनिवेशिक सरकार की ओर से इस गीत को गाने पर प्रतिबंध का लोगों ने विरोध किया और जेल गए। आज कांग्रेस की आक्रामकता इतनी अधिक है कि इसे संपूर्णता में गाने की जगह वे जेल जाना पसंद कर रहे हैं। 'वंदे मातरम्' के उन चार अंतरों में क्या है, जिसे पंथनिरपेक्षता के प्रतिकूल कहा जा रहा है? इस प्रश्न का उत्तर भारत की मौलिकता की खोज है। उन्हें सबसे आपत्तिजनक 'दुर्गा' (विद्या और ज्ञान वाहिनी या रिपुदलवारिणी, जिसका तात्पर्य है शत्रुओं का विनाश करने वाली) का उल्लेख लगता है। इनमें न किसी धर्म पर प्रहार है और न ही ये कर्मकांड के वे अंश हैं, जो सभी रूपक के रूप में उपयोग किए गए हैं। तभी भारत के मुसलमानों को 1937 से पहले इस पर कोई आपत्ति नहीं थी।

'वंदे मातरम्' और ऐतिहासिक विवाद –वर्ष 1937 में प्रांतों में कांग्रेस की सरकार बनी थी। दो साल के बाद लीग ने इस पर एक रिपोर्ट जारी की, जिसे 'पीरपुर रिपोर्ट' कहते हैं। इसमें कांग्रेस शासन को 'अल्पसंख्यक विरोधी' कहा गया। आपत्ति के विषय को इसी से जाना जा सकता है कि महात्मा गांधी की तस्वीर लगाने, तिरंगा फहराने, वंदे मातरम् गाने जैसी

बातों को हिंदू फासीवादी होने का आधार बनाया गया। जिस लीग की तर्ज पर कांग्रेस चल रही है, वह भारत की मौलिकता को समाप्त करने का उपक्रम है। वर्ष 1920 में नागपुर में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ था। तब मोहम्मद अली जिन्ना ने मंच पर गांधी को 'महात्मा' की जगह 'मिस्टर' कहकर संबोधित किया। प्रतिनिधियों के विरोध के कारण एक नहीं, दो बार सभा को स्थगित करना पड़ा। मगर जिन्ना टस से मस नहीं हुए। उनका तर्क था कि 'महात्मा' शब्द हिंदू अध्यात्म से जुड़ा है, इसलिए यह राजनीति में धर्म का समावेश है। यदि यह तर्क मान लिया जाता, तब भारत का संपूर्ण दर्शन सांप्रदायिक बन जाएगा, क्योंकि, यहां दर्शन और अध्यात्म के बीच रेखा खींचना नामुमकिन है। याज्ञवल्क्य से लेकर महावीर-बुद्ध-नानक सभी के दर्शन और अध्यात्म के बीच विभाजन रेखा ढूंढ़ना कठिन है। यही नेहरूवाद का नजरिया रहा था, जिसके कारण दर्शन के क्षेत्र में समृद्ध भारत के विश्वविद्यालयों में इसके अध्ययन में गिरावट आई है। ऐसे में तो वेद, महाभारत, पुराण, उपनिषद- सब में अध्यात्म का अंश है, तो क्या वे पंथनिरपेक्ष साहित्य नहीं माने जाएंगे? वे विश्व साहित्य के रूप में प्रतिष्ठित हो सकते हैं, पर भारत में धर्मनिरपेक्ष साहित्य नहीं बन सकते हैं। दारा शिकोह द्वारा उपनिषदों का पारसी में अनुवाद से क्या उनके धर्म का अवमूल्यन हो गया? आचार्य जेबी कृपलानी ने अपनी पुस्तक 'माइनॉरिटीज इन इंडिया' (1948) में पूछा है कि वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, पुराणों आदि को हटा देने से भारत क्या रह जाएगा?

भारतीय दर्शन और पंथनिरपेक्षता का सवाल – कांग्रेस को वंदे मातरम् पर आपत्ति है, तो शक और विक्रम संवत का भी हिंदू इतिहास है। तो क्या उसे भी वे खारिज कर देंगे? संविधान सदन, संसद भवन, सेना मुख्यालय, जीवन बीमा, सर्वोच्च न्यायालय इत्यादि का ध्येय वाक्य उन्हीं दार्शनिक ग्रंथों से लिया गया है, तो क्या वे हिंदू पूर्वाग्रह का बहुमतवाद है। सर्वोच्च न्यायालय का ध्येय वाक्य 'यतो धर्मस्ततो जयः' महाभारत से लिया गया है, तो गणतंत्र का ध्येय वाक्य 'सत्यमेव जयते' मुंडक उपनिषद से लिया गया है। रवींद्रनाथ ठाकुर के 'गोरा' उपन्यास में गोरा और सुचरिता के बीच संवाद में भारत और धर्म की भारतीय अवधारणा सामने आती है। तब तो वह भी उन्हें स्वीकार नहीं होगा! कुछ वर्ष पूर्व जब 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' मनाने की बात हुई, तब भी योग की हिंदू उत्पत्ति तलाशी गई और इसका विरोध हुआ। कांग्रेस की परिभाषा के अनुसार, भारत का अहिंदूकरण ही पंथनिरपेक्षता है। 'वंदे मातरम्' एक सकारात्मक और प्रेरणादायक गीत है, जिसे गाकर, सुनकर या पढ़कर देशभक्ति जीवंत हो जाती है। महर्षि अरविंद और लाला लाजपत राय ने क्रमशः कलकत्ता और लाहौर में 'वंदे मातरम्' नाम से अखबार शुरू किया। कांग्रेस के साथ त्रासदी है कि उसका विचार यथार्थ से हमेशा दूर रहा है। आज की कांग्रेस में विचारों की बहुलता नहीं है। कोई संपूर्णानंद या केएम मुंशी आज कांग्रेस के पास नहीं हैं। यह वैचारिक बहुलता सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के क्रम में देखने को मिली थी। तब पंडित नेहरू इसके विरोध में थे, तो राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद इसकी अगुआई कर रहे थे।

सांस्कृतिक पुनरुत्थान पर बहस – जब भी अपने इतिहास, विरासत, नायकों की खोज या उनकी स्मृति को बनाए रखने का कोई उपक्रम बनता है, उसे धर्मनिरपेक्षता पर सवाल कह दिया जाता है। इसका एक उदाहरण कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक के निर्माण से जुड़ा है। एकनाथ रणाडे के प्रयास के विरुद्ध केरल से दिल्ली तक विरोध जताया गया। भारत अपने सांस्कृतिक उत्थान के दौर में प्रवेश कर रहा है। मगर पुरानी सोच और पुरानी ताकत अपने बौद्धिक आधिपत्य को टूटते नहीं देख पा रही है। कांग्रेस और उसके बुद्धिजीवी मित्र छद्म पंथनिरपेक्षता के आधार पर भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। जैसे एक समय लोकमान्य तिलक के गणेश उत्सव और शिवाजी महोत्सव को मुस्लिम विरोधी घोषित किया गया, उसी को आज वंदे मातरम् को लेकर दोहराया जा रहा है। (यह लेखक के अपने विचार है)

संघर्ष से शांति का सफर : चौगेल पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित महिला माओवादियों ने डीआरजी जवानों को बांधी राखी

भानुप्रतापपुर। छत्तीसगढ़ में लाल आतंक का रास्ता छोड़कर लोकतंत्र और विकास पर भरोसा जताने वाले पूर्व माओवादियों के जीवन में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी दंडकारण्य के घने जंगलों में सुरक्षाबलों के खिलाफ बंदूक तानने वाले हाथ, अब भाईचारे और सुरक्षा के धागे बांधते नज़र आ रहे हैं। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चौगेल मुल्ला स्थित पुनर्वास केंद्र में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर एक अत्यंत भावुक और ऐतिहासिक दृश्य देखने को मिला। केंद्र में रह रहीं आत्मसमर्पित महिला माओवादियों ने जिला रिजर्व गार्ड के जवानों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर न केवल भाई-बहन के रिश्ते को स्वीकार किया, बल्कि हिंसा छोड़ शांति और मुख्यधारा में शामिल होने का मजबूत संदेश दिया। पुनर्वास केंद्र में रह रहीं आत्मसमर्पित महिला माओवादी शांति कवाची के लिए यह रक्षाबंधन जीवन का सबसे अनोखा अनुभव था। उन्होंने बताया कि संगठन में रहने के दौरान त्योहारों और सामाजिक खुशियों से उनका कोई सरोकार नहीं रह गया था। जीवन में पहली बार रक्षाबंधन मनाते हुए उन्होंने कहा मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत हमने केंद्र में ही राखी बनाना सीखा है। आज अपने ही हाथों से तैयार की गई राखी को उन जवानों की कलाई पर बांधना, जिनसे कभी जंगलों में हमारा सामना होता था, एक बेहद खास और भावुक पल है। आत्मसमर्पण के बाद अब जाकर लग रहा है कि हम वास्तव में समाज की मुख्यधारा का हिस्सा बन चुके हैं। शांति कवाची ने राज्य शासन की नई नक्सल पुनर्वास नीति की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर ही उन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़ा था। चौगेल पुनर्वास केंद्र केवल एक आश्रय स्थल नहीं, बल्कि इन पूर्व माओवादियों के लिए स्वावलंबन की नई प्रयोगशाला बन चुका है। केंद्र में आत्मसमर्पित सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई तरह के रोजगारपरक प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं महिलाओं को कपड़े सिलने और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण। लकड़ी की कलाकृतियां और हस्तशिल्प तैयार करने का हुनर। पर्व-त्योहारों के अनुरूप सामग्री तैयार कर बाजार से जोड़ने का प्रयास। इन कौशलों के माध्यम से आत्मसमर्पित सदस्य सम्मानजनक आजीविका कमाकर अपने परिवार के साथ एक सामान्य जीवन जीने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। इस भावुक क्षण पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए डीआरजी जवान टेकेश्वर हिचामी ने कहा कि यह पल पूरे पुलिस बल के लिए गर्व और संतोष देने वाला है। उन्होंने कहा, एक दौर वह था जब हम और ये लोग जंगलों में बंदूकें लेकर एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े रहते थे। लेकिन आज वही हाथ हमारी कलाई पर राखी बांधकर हमारी लंबी उम्र और सुख-शांति की कामना कर रहे हैं। यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि विकास और पुनर्वास के जरिए किसी भी दिल को जीता जा सकता है। यह आयोजन महज एक पर्व की औपचारिकता भर नहीं था, बल्कि यह बस्तर और आसपास के क्षेत्रों में बदलती हवा का प्रतीक है।

सड़क किनारे काल बनकर खड़ी हाइवा ट्रक से टकराई बाइक : युवक की दर्दनाक मौत, दो महिलाएं गंभीर, प्रशासन की लापरवाही पर उठे सवाल

भानुप्रतापपुर। नगर के मुख्य मार्ग पर बेतरतीब खड़े भारी वाहन अब राहगीरों के लिए 'चलते-फिरते काल' साबित होने लगे हैं। शनिवार सुबह भानुप्रतापपुर के अंतागढ़ रोड स्थित सीटी ढाबा के पास एक भीषण सड़क हादसे में अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे खड़ी हाइवा ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चालक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक पर पीछे बैठी दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस हादसे के बाद स्थानीय नागरिकों में सड़क किनारे खड़े रहने वाले भारी वाहनों और पुलिस-प्रशासन की उदासीनता को लेकर भारी आक्रोश है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम किनारी निवासी तिलक कुमेटी शनिवार सुबह अपनी मोटरसाइकिल पर दो महिला को बैठाकर किसी काम से जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक भानुप्रतापपुर स्थित सीटी ढाबा के पास पहुंची, सड़क पर पहले से खड़ी एक हाइवा ट्रक से पीछे से टकरा गई। टक्कर का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुर्घटना के समय हुए जोरदार धमाके को सुनकर आसपास के लोग सिहर उठे। हादसे में तिलक कुमेटी को सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, बाइक सवार दोनों महिलाएं खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर पड़ीं। 112 की टीम ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल: घटना के तुरंत बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने बिना देर किए आपातकालीन सेवा डायल 112 को सूचना दी। खबर मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और लहूलुहान हालत में पड़ी दोनों महिलाओं को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा दोनों महिलाओं का आपातकालीन उपचार किया जा रहा है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस दर्दनाक हादसे के बाद भानुप्रतापपुर नगर में सड़क किनारे बेतरतीब खड़े होने वाले भारी वाहनों का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि सीटी ढाबा और आसपास के इलाकों में आए दिन दर्जनों हाइवा और भारी ट्रक मुख्य मार्ग पर ही पार्क कर दिए जाते हैं।

मंडी कार्यालय में लाश : रात ड्यूटी करते-करते सोया कर्मचारी सुबह उठ ही नहीं पाया, हार्ट अटैक से मौत की आशंका

भटगांव। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के भटगांव में स्थित कृषि उपज मंडी समिति कार्यालय में भृत्य की मौत का मामला सामने आया है। बताया गया है कि मृतक हजारी प्रसाद निषाद पिता पुनीत राम निषाद उम्र 45 वर्ष निवासी शिलपट्टी थाना तिल्दा का है। भटगांव थाना प्रभारी शिव कुमार धारी के द्वारा बताया गया कि घटना रक्षाबंधन के दिन का है सुबह कर्मचारियों के माध्यम से पता चला कि मृतक हजारी प्रसाद निषाद कृषि उपज मंडी भटगांव कार्यालय के सचिव कक्षा में सोया हुआ है और उसका किसी भी प्रकार का हलचल नहीं है सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची एंबुलेंस को भी बुलाया गया और अस्पताल भेजा गया जहां डॉक्टरों की टीम ने हजारी को मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्टि यह जानकारी निकलकर सामने आई है कि हार्ट अटैक होने की वजह से भृत्य पद पर पदस्थ हजारी की मौत हुई है, फिलहाल भटगांव पुलिस अन्य पहलुओं पर भी जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने आगे कहा कि कार्यालय के आसपास सभी सामानों की भी विवेचना की गई किसी भी प्रकार की मृतक के शरीर में चोट के निशान भी नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद मौत के असली कारण का पता चल पाएगा।

निवास बालपुर में रक्षाबंधन पर दिखा भाई-बहन के अटूट प्रेम का दृश्य, बहनों ने पूर्व विधायक चंद्रदेव राय को बांधा रक्षा सूत्र

भटगांव। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर आज बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बालपुर स्थित पूर्व संसदीय सचिव एवं विधायक चंद्रदेव राय के निजी निवास पर एक भावुक और आत्मीय दृश्य देखने को मिला। जहां रक्षाबंधन के इस पवित्र पर्व पर विधानसभा क्षेत्र के कोने-कोने से आई सभी बहनों ने अपने बड़े भाई चंद्रदेव राय के निवास पर पहुंचकर स्नेहपूर्वक उनके हाथ में रक्षा सूत्र बांधकर बधाई, शुभकामनाएं एवं आशीष प्रदान किया। तो वहीं सुबह से ही निवास पर बहनों का आना शुरू हो गया था, जो देर शाम तक चलता रहा। पूरे दिन निवास पर रक्षाबंधन की रौनक और उत्सव जैसा माहौल बना रहा। रक्षाबंधन के दिन पूर्व विधायक चंद्रदेव राय ने अपना पूरा दिन अपनी विधानसभा की बहनों के नाम कर दिया। जैसे ही सुबह हुई, बिलाईगढ़, भटगांव, सरसींवा, बिलाईगढ़ के विभिन्न गांवों से बहनें समूह में बालपुर निवास पहुंचने लगीं। किसी के हाथ में राखी की थाली थी, तो किसी के हाथ में मिठाई। हर बहन के चेहरे पर अपने बड़े भाई से मिलने की खुशी साफझलक रही थी। वहीं बहनों ने बारी-बारी से चंद्रदेव राय को तिलक लगाया, आरती उतारी, और उनके कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। मिठाई खिलाकर उनके लंबे जीवन, स्वस्थ जीवन और उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान कई बुजुर्ग माताएं भी पहुंचीं, जिन्होंने चंद्रदेव को अपना बेटा मानकर आशीर्वाद दिया। छोटी-छोटी बच्चियों ने भी अपने चाचा और बड़े भाई को राखी बांधी। यह दृश्य किसी एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे विधानसभा परिवार का था। चंद्रदेव राय ने भी सभी बहनों को सम्मानपूर्वक उपहार, श्रीफल और आशीर्वाद देकर विदा किया। अपनी बहनों से घिरे पूर्व विधायक चंद्रदेव राय इस अटूट प्रेम को देखकर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि यह रक्षा सूत्र एक धागा मात्र नहीं है, यह उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा आज मेरी विधानसभा की सैकड़ों बहनें यहां आईं और मुझे राखी बांधी। मैं खुद को बहुत सौभाग्यशाली मानता हूं। मेरे लिए मेरी विधानसभा की हर महिला मेरी बहन और हर बुजुर्ग मेरी मां समान है। उन्होंने आगे कहा यह रक्षा सूत्र मुझे मेरे कर्तव्य की याद दिलाता है। मेरी बहनों ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, मैं जीवन भर उसकी रक्षा करूंगा। मेरी हर बहन की सुख-दुख में मैं खड़ा रहूंगा। जब तक मेरे शरीर में जान है, मैं बिलाईगढ़ की आन-बान-शान और अपनी बहनों के सम्मान के लिए लड़ता रहूंगा। चंद्रदेव राय ने कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। यह सिर्फएक धागे का त्यौहार नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा के वचन का त्यौहार है। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में महिलाओं की सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती है और हम सभी भाइयों को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी बहनों के साथ-साथ समाज की हर महिला का सम्मान करें। बालपुर स्थित निवास किसी विधायक के निवास जैसा नहीं, बल्कि एक बड़े परिवार के घर जैसा लग रहा था। निवास को फूलों से सजाया गया था। बहनों के लिए बैठने, पानी और चाय-नाश्ते की उचित व्यवस्था की गई थी। चंद्रदेव राय के परिवार के सदस्यों ने भी सभी बहनों का स्वागत किया। वहीं दूर-दराज से आई बहनों ने बताया कि वे हर साल रक्षाबंधन पर चंद्रदेव भैया के पास राखी बांधने आती हैं। भले ही वे विधायक हों या न हों, लेकिन वे हमेशा से उनके बड़े भाई रहे हैं। एक बहन ने कहा हम हर साल भैया को राखी बांधने आते हैं। वे हमारी बात सुनते हैं, हमारी मदद करते हैं। जब हमारे घर में कोई दुख होता है तो सबसे पहले चंद्रदेव भैया खड़े होते हैं।

भाजपा की राधिका ने पुलिस भाईयों को बांधी राखी भाईयों ने बहन की रक्षा की वचन दिए

भटगांव। सारंगढ़ जिला मुख्यालय के कोसीर थाना में पदस्थ पुलिस कर्मी भाईयों को रक्षा बंधन पर सारंगढ़ महिला मोर्चा जिला सोशल मीडिया प्रभारी राधिका चंद्रा ने अपने साथियों के साथ सुबह कोसीर थाना पहुंचकर रक्षा सूत्र बांधे और मिठाई खिलाकर आशीर्वाद ली। भाजपा की राधिका चंद्रा पिछले 10 वर्षों से कोसीर थाना पहुंचकर राखी बांध रही है। राधिका कहती हैं पुलिस भाई अपने घर परिवार नहीं जा पाते वे अपने परिवार से दूर रहते हैं उनको परिवार की कमी न हो यह अवधारणा के साथ रक्षा बंधन पर मै भाईयों को राखी बांधती हूं मुझे बहुत खुशी होती है । वही सहायक उप निरीक्षक केश राम जांगड़े ने रक्षा बंधन पर्व पर बहन को आशीर्वाद देते हुए कहा हमें खुशी है कि आप आएं हैं कहते हुए अपने बहन की रक्षा का वचन दिए। राधिका परिमल चंद्रा ने थाना के पुलिस कर्मी प्रशिक्षु सहायक उप निरीक्षक उमा शंकर ठाकुर, केश राम जांगड़े, प्रधान आरक्षक छत्रपति जोल्हे, भीम सेन सिदार, चंद्र पाल दास महंत, आरक्षक सुरेश बर्मन, प्रदीप रात्रे और भाजपा के परिमल चंद्रा पूर्व मंडल अध्यक्ष कोसीर प्रदेश कार्य समिति सदस्य किसान मोर्चा छत्तीसगढ़ सह प्रभारी जिला रायगढ़, बाबूलाल लहरे कार्यालय प्रभारी कोसीर उपस्थित रहे।

जिला पुलिस बल एवं सीआईएसएफ के जवानों के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का पावन पर्व

किरंदुल। एनएमडीसी किरंदुल परियोजना एवं नगर की सुरक्षा हेतु तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल एवं पुलिस थाना किरंदुल के जवानों की कलाईयां सुनी न रह जाये व बहनों के स्नेह की कमी महसूस न हो, इस भावना के साथ बैलाडीला देवस्थान समिति श्री राघव मन्दिर और गायत्री परिवार द्वारा प्रतिवर्ष जिला पुलिस बल एवं सीआईएसएफ जवानों के साथ रक्षाबंधन का पावन पर्व मनाया जाता है। प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी इसी पुनीत परंपरा को कायम रखते हुए रक्षाबंधन के अति पावन अवसर पर दोनों धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं, डीएवी पब्लिक स्कूल एवं नगरपरिवार के सर्व समाज की बहनों द्वारा राखियां बांधकर भाइयों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं एवं दीर्घ, खुशहाल जीवन की मंगल कामनाएं की गई। इस अवसर पर पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अविनाश ठाकुर, थाना प्रभारी संजय यादव, सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट प्रियम गंगवाल, नवीन सिन्हा, सीआईएसएफ इंस्पेक्टर कमल वर्मा, बैलाडीला देवस्थान समिति एवं गायत्री परिवार के पदाधिकारी ए के सिंह, डी पी डेहरिया, राजेन्द्र यादव, पी.सी. जैन, टीकम चंद साहू, राजेंद्र गिरी, बबिता गिरी, कुसुम यादव, डीएव्ही पब्लिक स्कूल की छात्रायें, मातृशक्तियां उपस्थित थे।

226 बटालियन सीआरपीएफमें स्कूली बच्चों ने जवानों संग मनाया रक्षाबंधन; 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण

सुकमा। 226 बटालियन सीआरपीएफ मुख्यालय में रक्षाबंधन का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कन्या शिक्षा परिषद् स्कूल सुकमा के छात्राओं ने बटालियन परिसर पहुंचकर जवानों के साथ यह त्योहार मनाया। बच्चों ने जवानों की कलाई पर राखियां बांधीं, उनकी लंबी उम्र व सुरक्षा की कामना की और देश सेवा के लिए उनका आभार व्यक्त किया। अपने परिवारों से दूर तैनात जवानों के लिए यह पल बेहद भावुक और अपनेपन से भरा रहा। इस कार्यक्रम को और खास बनाते हुए स्कूली बच्चों और जवानों ने मिलकर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत बटालियन परिसर में पौधारोपण किया। बच्चों और जवानों ने कंधे से कंधा मिलाकर पौधे लगाए और पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान जवानों और बच्चों के बीच एक खास जुड़ाव देखने को मिला, जहां सभी ने साथ मिलकर बातचीत की, हंसी-खुशी के पल साझा किए और पूरे आयोजन का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में 226 बटालियन के कमांडेंट एच पी सिंह ने अपने संबोधन में स्कूल प्रशासन, शिक्षकों और बच्चों का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने कैंप में आकर जवानों के बीच एक पारिवारिक माहौल बनाया। उन्होंने अपने भाषण में बच्चों को राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन कमांडेंट द्वारा बच्चों और शिक्षकों को मिठाई एवं उपहार भेंट करने के साथ हुआ।

हेलमेट पहनकर सड़क पर उतरे एसएसपी-कलेक्टर, पुलिस की मुस्तैदी से टली बड़ी अनहोनी

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर की पहचान सिर्फ अदालतों के शहर के रूप में नहीं, बल्कि अपनी गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक सौहार्द के लिए भी रही है। पीढ़ियों से चली आ रही यह परंपरा तमाम चुनौतियों के बीच भी कायम है। हालांकि, समय-समय पर कुछ असामाजिक तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश जरूर करते हैं। कल भी कुछ ऐसा ही माहौल बनता दिखाई दिया, लेकिन प्रशासन की सख्ती, पुलिस की मुस्तैदी और अफसरों की सीधी निगरानी ने हालात को बिगड़ने से पहले ही संभाल लिया। विवाद ने कल ऐसा रूप लिया कि स्थिति सामान्य से हटकर नजर आने लगी थी। भीड़ बढ़ती गई और आशंका गहराने लगी कि मामला कहीं गंभीर रूप न ले ले। इसी बीच पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया। सिटी कोतवाली थाने के आसपास भारी पुलिस बल की तैनाती और मौके पर आला अधिकारियों की मौजूदगी ने साफ कर दिया कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सिटी कोतवाली में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, आईजी रामगोपाल गर्ग और कमिश्नर सुनील जैन की मौजूदगी ने पूरे घटनाक्रम की गंभीरता को जाहिर कर दिया। अफसर कार्यालय से हालात पर नजर रखने के बजाय मौके पर मौजूद रहकर हर गतिविधि पर नजर रखे हुए थे। हेलमेट पहनकर भीड़ के बीच पहुंचे एसएसपी-कलेक्टरः घटना की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कलेक्टर और एसएसपी खुद हेलमेट पहनकर भीड़ के बीच पहुंचे। अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना दोनों अधिकारियों ने मौके पर रहकर स्थिति को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाई। पुलिस बल के साथ लगातार मौजूदगी और अधिकारियों की सीधी निगरानी ने भीड़ में मौजूद संभावित असामाजिक तत्वों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। मैदानी पुलिस अमले ने भी पूरी मुस्तैदी दिखाई। भीड़ को नियंत्रित करने से लेकर संवेदनशील स्थिति पर नजर रखने तक पुलिस जवान लगातार सक्रिय रहे। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मियों के चोटिल होने की भी जानकारी सामने आई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि उपद्रव या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।धारा 144 लागू, प्रशासन की पैनी नजरः तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए शहर में धारा 144 अभी भी लागू है। प्रशासन और पुलिस लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की तैनाती जारी है। किसी भी तरह की अफवाह फैलाने या माहौल बिगाड़ने की कोशिश पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति और संयम बनाए रखने तथा अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। अधिकारियों के मुताबिक स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन एहतियात के तौर पर निगरानी और पुलिस की तैनाती जारी रखी गई है।व्यक्तिगत विवाद को लेकर फैलाया गया भ्रम : कमिश्नरः कमिश्नर सुनील जैन ने कहा कि मामला मूल रूप से व्यक्तिगत विवाद से जुड़ा था, लेकिन इसे लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश की गई। इसके बावजूद बिलासपुर की जनता ने समझदारी का परिचय दिया और शांत रही। उन्होंने शहर की जनता का आभार जताते हुए कहा कि लोगों ने संयम बनाए रखा, जिसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं। कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि माहौल खराब करने अथवा भ्रम फैलाने वालों के खिलाफकठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे हुए है और किसी भी स्तर पर कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।आईजी बोले- शांति व्यवस्था के लिए प्रशासन मुस्तैदः आईजी रामगोपाल गर्ग ने कहा कि शहर में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। घटनाक्रम से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के दौरान कुछ पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं। आईजी ने साफशब्दों में कहा कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।राजधानी से सीएम हाउस तक रही नजरः बिलासपुर में बने तनावपूर्ण माहौल पर राजधानी रायपुर में बैठे आला अधिकारियों से लेकर सीएम हाउस तक की नजर रही। घटनाक्रम की पल-पल की जानकारी ली जाती रही। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के बीच लगातार समन्वय बना रहा। सिटी कोतवाली थाना परिसर और आसपास देर रात तक भीड़ जुटी रही। हालांकि, पुलिस की लगातार मौजूदगी और प्रशासन की सख्ती के बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने लगी। सुबह होते-होते भीड़ भी छंटने लगी।अफसर सड़क पर, पुलिस मुस्तैद और मंसूबे नाकामः कल के घटनाक्रम ने एक बार फिर साफकर दिया कि बिलासपुर में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। एसएसपी रजनेश सिंह और कलेक्टर संजय अग्रवाल का मौके पर उतरना सिर्फ प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि स्पष्ट संदेश भी था—शहर की शांति से खिलवाड़ की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी। सबसे बड़ी राहत यह रही कि तनावपूर्ण माहौल के बावजूद कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई। बिलासपुर की गंगा-जमुनी संस्कृति कायम रही और पुलिस-प्रशासन की मुस्तैदी ने हालात को बिगड़ने से पहले ही काबू में कर लिया। फिलहाल धारा 144 लागू है और प्रशासन की नजर पूरे घटनाक्रम पर बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

सफलता की कहानी : नोनी सुरक्षा योजना ने आकांक्षा की बेटी के भविष्य को दी नई उम्मीद

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत सारबहरा की श्रीमती आकांक्षा अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य को लेकर हमेशा चिंतित रहती थीं। वह चाहती थीं कि उनकी बेटी को अच्छी शिक्षा मिले

और आगे चलकर उसका जीवन सुरक्षित और खुशहाल हो। इसी सोच के साथ उन्होंने आंगनबाड़ी दीदी के माध्यम से अपनी बेटी का नोनी सुरक्षा योजना के तहत पंजीयन कराया। नोनी सुरक्षा योजना के माध्यम से बेटी के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित होने की उम्मीद ने आकांक्षा की चिंता को काफी हद तक कम किया है। उन्हें विश्वास है कि योजना से मिलने वाला लाभ उनकी बेटी की पढ़ाई और विवाह जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर काम आएगा। यह पहल उनकी बेटी के भविष्य को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उसे बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आकांक्षा के लिए यह योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि उनकी बेटी के सुरक्षित, आत्मनिर्भर और उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद है। उनका मानना है कि बेटियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने वाली ऐसी जनकल्याणकारी योजनाएँ परिवारों के लिए नई उम्मीद लेकर आती हैं। आकांक्षा ने बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए चलाई जा रही इस जनकल्याणकारी पहल के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार की ऐसी योजनाएँ बेटियों को बेहतर भविष्य देने की दिशा में परिवारों का संबल बन रही हैं।

मानवाधिकार सहायता संघ (क्राइम सेल) की बिलासपुर जिला कार्यकारिणी का गठन

बिलासपुर। मानवाधिकार सहायता संघ (क्राइम सेल) की बिलासपुर जिला कार्यकारिणी का गठन 29 अगस्त 2026 को किया गया। यह नियुक्तियाँ संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सोनू सिंह एवं राष्ट्रीय सचिव (क्राइम सेल) श्री राजेश साहू की अनुशंसा पर की गई। घोषित कार्यकारिणी में गणेश परिहार को जिला अध्यक्ष,अमित पाण्डेय को जिला प्रमुख अंकित मिश्रा को जिला प्रभारी, तथा अरविन्द सोनी को जिला सचिव नियुक्त किया गया। नवगठित टीम ने जिले में संगठन का विस्तार करने, कार्यकारिणी को और सुदृढ़ बनाने तथा जनहित में मानवाधिकार संरक्षण एवं सहायता से जुड़े कार्यों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। संगठन ने आम जनता की सुविधा हेतु 7000244199 हेल्पलाइन नंबर जारी किया है और शीघ्र ही बिलासपुर में जिला कार्यालय की स्थापना कर आम नागरिकों एवं जरूरतमंद लोगों के लिए निरंतर कार्य करने का निर्णय लिया है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर कृषि महाविद्यालय, बिलासपुर में संगोष्ठी एवं खेल गतिविधियों का आयोजन

पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी,विद्यार्थियों ने रस्सा खींच और कुर्सी दौड़ में दिखाया उत्साह; विशेषज्ञों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश.....

बिलासपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर कृषि महाविद्यालय, बिलासपुर में खेलों के महत्व और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उनकी भूमिका को रेखांकित करने के उद्देश्य से विशेष संगोष्ठी एवं विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों ने खेलों को केवल मनोरंजन का साधन न मानते हुए उन्हें स्वस्थ शरीर, सकारात्मक सोच, अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को खेलों एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति जागरूक करना तथा उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, टीम भावना, सहयोग, अनुशासन और नेतृत्व के गुण विकसित करना रहा। संगोष्ठी के साथ आयोजित मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं ने पूरे कार्यक्रम को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया। मेजर ध्यानचंद के योगदान को किया याद- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एस.एल. स्वामी, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लोरमी-मुंगेली रहे। इस अवसर पर डॉ. एस.के. वर्मा, मुख्य वैज्ञानिक, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, बिलासपुर; डॉ. गीत शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र, बिलासपुर; डॉ. दिनेश पांडेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) एवं क्रीड़ा प्रभारी; डॉ. वाई.पी.एस. निराला, सहायक प्राध्यापक (कीट विज्ञान); अतिथि वैज्ञानिक डॉ. कृष्णा तथा डॉ. प्रज्ञा तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। छात्र देवराज ने कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए अतिथियों एवं उपस्थितजनों का स्वागत किया तथा क्रमवार वक्ताओं को अपने विचार रखने के लिए आमंत्रित किया।

खेल केवल मनोरंजन नहीं, व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम- संगोष्ठी में प्रथम वक्ता डॉ. दिनेश पांडेय ने विद्यार्थियों के जीवन में खेलों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं हैं। नियमित खेल एवं शारीरिक गतिविधियां शरीर को स्वस्थ रखने के साथ मानसिक स्वास्थ्य, एकाग्रता, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में सफलता और असफलता दोनों से सीखने का अवसर मिलता है। जीतने की खुशी जहां आत्मविश्वास बढ़ाती है, वहीं हार व्यक्ति को अपनी कमियों को पहचानकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है। मेजर ध्यानचंद की खेल भावना से प्रेरणा लेने का आह्वान- डॉ. गीत शर्मा ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि देश के महान खिलाड़ियों और उनकी उपलब्धियों से प्रेरणा लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में टीम भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और सामाजिक समन्वय विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को शतरंज, कबड्डी सहित विभिन्न खेलों और मनोरंजक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि खूब पढ़ें, खूब खेलें और स्वस्थ रहें।

सफलता की कहानी:आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ते कदम, स्वयं की मेहनत और सरकारी सहयोग से कमलेश यादव बनीं लखपति दीदी

बिलासपुर। कभी अपने छोटे-से व्यवसाय को आगे बढ़ाने का सपना देखने वाली श्रीमती कमलेश यादव आज आत्मनिर्भरता और सफलता की मिसाल बन चुकी हैं। मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत मंझगवा की कमलेश यादव वंदना महिला स्वसहायता समूह से जुड़ीं और समूह की अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते हुए अपनी मेहनत को नई दिशा दी। स्वसहायता समूह से जुड़ने के बाद कमलेश को आरएफ सीआईएफ और बैंक लोन के माध्यम से आर्थिक सहयोग मिला। इस सहयोग का बेहतर उपयोग करते हुए उन्होंने चिकन स्टोर का व्यवसाय शुरू किया। इसके साथ ही वे सिलाई का कार्य भी कर रही हैं। आय के दो साधनों ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को

मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कमलेश की मेहनत, लगन और सही अवसरों के मेल का परिणाम है कि आज उनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक हो गई है। अपनी इस उपलब्धि के साथ वे 'लखपति दीदी' के रूप में नई पहचान बना रही हैं। कमलेश यादव का कहना है कि महिला स्वसहायता समूह से जुड़ना उनके जीवन में बदलाव का महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। समूह के माध्यम से मिले वित्तीय सहयोग ने उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने और अपने हुनर को व्यवसाय में बदलने का अवसर दिया। अपनी सफलता के लिए कमलेश ने प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मिल रहा सहयोग उनके जैसे अनेक परिवारों के लिए नई उम्मीद और बेहतर भविष्य का रास्ता तैयार कर रहा है। कमलेश यादव की कहानी आज गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा है कि स्वसहायता समूह से जुड़कर न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हुआ जा सकता है, बल्कि आत्मनिर्भरता की नई पहचान भी बनाई जा सकती है।

नेपाल में बाढ़ के बाद भारतीय नागरिकों के लापता होने पर मंत्री राजेश अग्रवाल चिंतित

अंबिकापुर। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद 288 से अधिक भारतीय नागरिकों के लापता होने की खबर पर छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने गहरी चिंता व्यक्त की है। लापता भारतीय नागरिकों में अंबिकापुर के वरिष्ठ नेता श्री कर्ताराम गुप्ता की बेटी डॉ. मीना गुप्ता भी शामिल हैं। डॉ. मीना गुप्ता ब्रिटेन में चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने डॉ. मीना गुप्ता की सुरक्षित वापसी के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि इस कठिन और चिंताजनक परिस्थिति में उनका परिवार अकेला नहीं है। उन्होंने बताया कि डॉ. मीना गुप्ता की स्थिति और उनकी सुरक्षित वापसी के संबंध में नेपाल स्थित भारतीय दूतावास तथा संबंधित अधिकारियों से लगातार संपर्क बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। विदेश

मंत्रालय से तत्काल किया संपर्क- श्री अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने भी इस मामले में तत्काल विदेश मंत्रालय से संपर्क कर आवश्यक जानकारी साझा करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। मंत्रालय की ओर से उपलब्ध कराई गई ई-मेल आईडी श्री कर्ताराम गुप्ता को उपलब्ध कराई गई है, ताकि डॉ. मीना गुप्ता से संबंधित सभी आवश्यक विवरण विदेश मंत्रालय तक पहुंचाए जा सकें और उनकी तलाश एवं सुरक्षित वापसी के प्रयासों को आवश्यक जानकारी मिल सके। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद 288 से अधिक भारतीय नागरिकों के लापता होने की खबर बेहद चिंताजनक और पीड़ादायक है। इनमें अंबिकापुर की डॉ. मीना गुप्ता जी भी शामिल हैं। उनकी सुरक्षित वापसी के लिए हम लगातार नेपाल स्थित भारतीय दूतावास और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं। मैंने भी तत्काल विदेश मंत्रालय से संपर्क कर आवश्यक जानकारी साझा करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रत्येक लापता व्यक्ति के परिवार की चिंता और व्याकुलता को समझा जा सकता है। प्रशासनिक एवं राजनयिक स्तर पर उपलब्ध माध्यमों के जरिए आवश्यक जानकारी साझा कर डॉ. मीना गुप्ता सहित सभी लापता भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

सप्तदेव मंदिर में 4 सितम्बर हो होगी जन्माष्टमी की धूम

कोरबा । सप्तदेव मंदिर, कोरबा में शुक्रवार, 4 सितंबर 2026 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। उत्सव को लेकर मंदिर परिसर में व्यापक तैयारियां जोर-शोर से प्रारंभ हो गई हैं। मंदिर में प्रतिवर्ष सजाई जाने वाली विभिन्न झांकियों को मूर्तिकारों द्वारा आकर्षक एवं जीवंत स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। मंदिर परिसर में बनाए जा रहे विशाल पंडालों में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं जीवन प्रसंगों पर आधारित विभिन्न चलायमान झांकियां तैयार की जा रही हैं। इनमें भगवान श्रीकृष्ण का कारागार में जन्म, श्री वासुदेव जी द्वारा श्रीकृष्ण को यमुना नदी पार कर गोकुल ले जाना, भगवान श्रीकृष्ण द्वारा बकासुर वध, कालियानाग मर्दन, गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर धारण करना सहित अनेक प्रसंगों को आकर्षक रूप से प्रस्तुत किया जाएगा। इन मनोहारी चलायमान झांकियों को पंडालों में सजाकर रखा जाएगा, जिनका दर्शन श्रद्धालु शाम 6 बजे से रात 12.30 बजे तक कर सकेंगे। झांकियों के माध्यम से श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं जीवन चरित्र से परिचित होने के साथ ही उनका आनंद भी ले सकेंगे। मंदिर परिसर स्थित आदर्श सेवा केंद्र में पूजन सामग्री के साथ रामदेव बाबा के आश्रम में निर्मित विभिन्न उपयोगी सामग्री तथा गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित धार्मिक एवं आध्यात्मिक पुस्तकें भी उपलब्ध रहेंगी। जन्माष्टमी उत्सव पर विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 3 सितंबर को शाम 3 बजे से 5 बजे तक मंदिर परिसर में 'लड्डू गोपाल सजाओ प्रतियोगिता' आयोजित की जाएगी।

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा निर्देशन में नेक्स्ट-जेन डायल 112 की अहम समीक्षा बैठक संपन्न त्वरित रिस्पॉन्स ही डायल - 112 की असली पहचान

अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन में आज रक्षित केंद्र अंबिकापुर के सभाकक्ष में 'नेक्स्ट-जेन डायल 112' (आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली) की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।उक्त बैठक नोडल अधिकारी (डायल 112) एवं अतिरिक्त

पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री रितेश चौधरी द्वारा ली गई। बैठक में डायल 112 सेवा को जिला स्तर पर और अधिक चुस्त, प्रभावी, संवेदनशील और पूरी तरह समयबद्ध बनाने के साथ साथ महिला व बाल सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आम जनता से शालीन व्यवहार करने के दिशा-निर्देश दिए गए। रिस्पांस टाइम को न्यूनतम रखने का सख्त निर्देश:- नोडल अधिकारी श्री रितेश चौधरी ने बैठक में स्पष्ट किया कि आपातकालीन स्थिति में पीड़ित व्यक्ति तक पुलिस सहायता पहुँचने का समय (रिस्पांस टाइम) कम से कम होना चाहिए। उन्होंने मैदानी स्टाफ को हिदायत दी गई कि किसी भी इवेंट (शिकायत) की सूचना मिलते ही ईआरयू तत्काल रवाना हो और घटना का त्वरित निराकरण करने के बाद बिना किसी देरी के अपने निर्धारित 'फिक्स पॉइंट' पर वापस लौटे। वाहनों की बेवजह मोबिलिटी या काम में सुस्ती पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। तकनीकी टीम को मुस्तैद रहने के निर्देश:- बैठक में लोकेशन ट्रैकिंग, जीपीएस और आपातकालीन वाहनों के बेहतर संचालन को लेकर तकनीकी टीम को भी हमेशा अलर्ट मोड पर रहने को कहा गया, ताकि कंट्रोल रूम और मैदानी वाहनों के बीच समन्वय में तनिक भी देरी न हो। डायल 112 सेवा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बुलाई गई इस बैठक में रक्षित निरीक्षक अंबिकापुर तृप्ति सिंह राजपूत, डीसीसी प्रभारी उप निरीक्षक अभय कुमार तिवारी, प्रशिक्षु सूबेदार गुलशन चंद्रा एवं प्रशिक्षु सूबेदार पेविंन वर्मा। डीसीसी सरगुजा स्टाफ प्रधान आरक्षक संजीव कुमार त्रिपाठी, आरक्षक मोहन पवार, आरक्षक प्रदीप बखला।

इतिहास, संस्कृति और स्वदेशी से आत्मनिर्भरता तक—'मन की बात' में देश की विकास यात्रा के विविध आयामों पर प्रधानमंत्री का प्रेरक संदेश

अंबिकापुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज रायपुर स्थित अपने शासकीय आवास में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया। इस अवसर पर अंबिकापुर की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े नागरिक उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में देश की विविध उपलब्धियों, सामाजिक सरोकारों, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और जनभागीदारी से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों से संवाद किया। कार्यक्रम में इतिहास को डिजिटल माध्यमों से संरक्षित करने के अभिनव प्रयासों से लेकर युवाओं को नशे से दूर रखने, स्वच्छता, स्थानीय उद्यमिता, कृषि में वैज्ञानिक नवाचार और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने जैसे विषय प्रमुखता से सामने आए। डिजिटल माध्यमों से इतिहास और विरासत के संरक्षण पर जोर- 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने इतिहास और देश की समृद्ध विरासत को आधुनिक डिजिटल माध्यमों के जरिए सहेजने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऐसे प्रयासों को आने वाली पीढ़ियों को अपने अतीत, गौरव और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत हमारी पहचान और हमारी सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। इतिहास, लोक परंपराओं, कला और सांस्कृतिक धरोहरों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से संरक्षित करना समय की आवश्यकता है। इससे हमारी विरासत आने वाली पीढ़ियों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगी। नशा मुक्त युवा और विकसित भारत का संकल्प- प्रधानमंत्री ने 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' अभियान के तहत ड्रग फ्री इंडिया के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया। युवाओं को नशे से दूर रखते

हुए उनकी ऊर्जा को रचनात्मक और राष्ट्रहित के कार्यों में लगाने पर विशेष जोर दिया गया। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि युवा शक्ति भारत के भविष्य की आधारशिला है। स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त युवा ही विकसित भारत के निर्माण में अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान दे सकते हैं। समाज के हर वर्ग को मिलकर युवाओं के लिए सकारात्मक और प्रेरक वातावरण तैयार करना होगा। तिरंगा यात्रा ने जगाई राष्ट्रप्रेम की भावना- प्रधानमंत्री ने अगस्त माह में देशभर में आयोजित भव्य तिरंगा यात्राओं का उल्लेख करते हुए इनमें लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी को राष्ट्रभावना की अभिव्यक्ति बताया। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को आत्मनिर्भर बनाने में पीएम स्वनिधि की भूमिका- 'मन की बात' में छोटे रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली पीएम स्वनिधि योजना का भी उल्लेख किया गया। इस योजना के माध्यम से छोटे उद्यमियों को अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहयोग और आत्मनिर्भरता का अवसर मिल रहा है। श्री अग्रवाल ने कहा कि छोटे व्यवसाय हमारे स्थानीय अर्थतंत्र की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। जब एक छोटा दुकानदार, ठेला संचालक या रेहड़ी-पटरी व्यवसायी अपने पैरों पर मजबूती से खड़ा होता है, तो इसका सीधा लाभ उसके परिवार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलता है। स्वच्छता को निरंतर जनआंदोलन बनाए रखने का संदेश- प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान की निरंतरता पर भी चर्चा की और स्वच्छता को केवल किसी अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन की आदत और सामाजिक जिम्मेदारी बनाने पर जोर दिया।

शेल पत्थर उठाव के दौरान पे-लोडर में लगी आग.......

कोरबा। एसईसीएल गेवरा क्षेत्र की खदान में एक पे-लोडर में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि 70203 नंबर का पे-लोडर शेल पत्थर उठाव के कार्य में लगा हुआ था, इसी दौरान अचानक उसमें आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पे-लोडर आग की चपेट में आ गया और मशीन को भारी नुकसान पहुंचने की बात सामने आ रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का संभावित कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना के बाद क्षतिग्रस्त पे-लोडर को स्क्षष्टरु के लक्ष्मण वर्कशॉप में खड़ा किए जाने की जानकारी मिल रही है। इस घटना ने गेवरा खदान में भारी मशीनों के रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पे-लोडर जैसी भारी मशीनें खदान के उत्पादन और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

ऐसे में मशीन में आग लगने की घटना न केवल आर्थिक नुकसान का विषय है, बल्कि खदान में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। सूत्रों के हवाले से मशीन की क्षति से एसईसीएल गेवरा प्रबंधन को करीब दो करोड़ रुपये के नुकसान की चर्चा है। हालांकि वास्तविक आर्थिक नुकसान कितना हुआ है, इसकी पुष्टि कंपनी की तकनीकी जांच और मूल्यांकन के बाद ही हो सकेगी।

हिंदू धर्म में बहुला चौथ का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में बहुला चौथ का विशेष महत्व होता है। बहुला चौथ पर भगवान गणेश और भगवान कृष्ण की पूजा का विशेष महत्व होता है। पंचांग के अनुसार यह पर्व हर वर्ष भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। बहुला चतुर्थी पर माताएं अपने संतान की रक्षा, सुख-समृद्धि और लंबी आयु की कामना के लिए व्रत रहती हैं। इस पर्व में भगवान गणेश के साथ भगवान श्रीकृष्ण और गौ माता की पूजा करने का विशेष विधान होता है। आइए जानते हैं कब है बहुला चतुर्थी, पूजा का मुहूर्त और महत्व समेत सभी जानकारियां।

बहुला चतुर्थी 2026 तिथि

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 31 अगस्त को सुबह 8 बजकर 52 मिनट पर होगा, जिसका समापन 01 सितंबर को सुबह 7 बजकर 42 मिनट पर होगा। ऐसे में यह पर्व 31 अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन चंद्रदेव की विशेष पूजा करने का विधान होता है।

बहुला चतुर्थी शुभ मुहूर्त और चंद्रोदय का समय

बहुला चौथ पर भगवान गणेश और भगवान कृष्ण की पूजा का विशेष महत्व होता है। इस दिन वर्ती महिलाएं शाम के समय चंद्र दर्शन और अर्घ्य देने के बात व्रत का पारण करेगी। पंचांग अनुसार बहुला चतुर्थी की शाम को चंद्रोदय का समय रात 08 बजकर 28 मिनट पर होगा। जिसमें व्रती चंद्र दर्शन और अर्घ्य देकर व्रत को पूरा करेंगी।

पूजा शुभ मुहूर्त

- अमृत चौघड़िया- सुबह 5 बजकर 58 मिनट से 7 बजकर 34 मिनट तक
- शुभ चौघड़िया- सुबह 9 बजकर 10 मिनट से 10 बजकर 45 मिनट तक
- लाभ चौघड़िया- दोपहर में 3 बजकर 33 मिनट से 5 बजकर 8 मिनट तक
- अमृत चौघड़िया- शाम को 5 बजकर 8 मिनट से 6 बजकर 44 मिनट तक
- चंद्रोदय का समय- रात में 8 बजकर 29 मिनट पर

बहुला चतुर्थी पूजा का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में चतुर्थी तिथि भगवान गणेश को समर्पित होती है और भाद्र माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी पर भगवान गणेश के साथ-साथ भगवान कृष्ण की पूजा होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन व्रत रखने और विधि-विधान के साथ पूजा करने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है और संतान के सुखों में वृद्धि और बाधाएं दूर होती है। बहुला चतुर्थी के दिन माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, अच्छी सेहत के लिए पूरे दिन व्रत रहते हुए सुखी जीवन की कामना करती हैं।

घर से निकलते समय कौन सा पैर पहले रखें मुख्य द्वार से बाहर?

जब आप घर से किसी शुभ काम के लिए निकलते हैं, तो चाहते हैं कि वह कार्य सफल सिद्ध हो। उसमें सौ प्रतिशत सफलता प्राप्त हो। इसलिए आपने देखा होगा कि जब आप कोई परीक्षा देने जाते हैं या कोई इंटरव्यू देने जाते हैं तो मां घर से निकलने से पहले आपको दही और चीनी खाने को देती हैं। इसके पीछे यही मान्यता है कि जब आप कुछ मीठा खाकर घर से निकलेंगे तो वह शुभ होगा।

दही चंद्रमा और शक्कर शुक्र ग्रह का प्रतीक है। चंद्रमा को मन और शुक्र को भौतिक सुख-सुविधाओं का कारक माना गया है। इससे ये दोनों ग्रह सही रहेंगे, जिससे आपका मन स्थिर रहेगा और आप सही फैसले ले पाएंगे। काम पर जाने से पहले घर से शुभ शुरुआत होगी, तो उसके अनुकूल परिणाम आने की संभावना रहती है। ऐसे में जब आप घर से बाहर निकलें तो कौन सा पैर पहले रखें? यह जानना महत्वपूर्ण होता है।

दायां या बायां, कौन सा पैर पहले रखें?

जब आप किसी शुभ कार्य यानि नई नौकरी, बिजनेस या यात्रा के लिए घर से बाहर निकलें तो मुख्य द्वार से अपना दायां पैर सबसे पहले बाहर रखें। शरीर के दाहिने भाग को शुभ मानते हैं। इसलिए आपने देखा होगा कि कोई भी मांगलिक कार्य करते हैं, उसमें दाहिने हाथ का उपयोग होता है। उदाहरण के लिए दाहिने हाथ में रक्षा सूत्र बांधते हैं, दाहिने हाथ से ही हवन करते हैं, विवाह के समय दाहिने हाथ से ही वर और वधु पाणिग्रहण संस्कार करते हैं। शादी के बंधन में बंधते हैं। बहन भी भाई को दाहिने हाथ पर राखी बांधती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, किसी भी कार्य की शुरुआत शुभ हो तो उसका अंत भी शुभ होता है। आम बोलचाल में दाएं को सीधा और बाएं को उल्टा कहा जाता है। जब आप शुभ काम की शुरूआत करें तो सीधे हाथ से करें, न कि उल्टे हाथ से। ऐसे ही घर से निकलते समय ओम गं गणपतये नमो नम: मंत्र का उच्चारण करते हुए दायां पैर यानि सीधे पैर को मुख्य द्वार से बाहर रखें। गणेश जी के मनोकामना पूर्ति मंत्र और शुभ शुरूआत से आपका कार्य सफल होगा। उनके आशीर्वाद से जीवन में शुभता आएगी।

पुराने घरों की ये खासियतें नए जमाने में अब बन गई हैं इतिहास

पहले के जमाने में बनाए जाने वाले घर आज के घरों से काफी अलग हुआ करते थे। पुराने जमाने के घरों में कई ऐसी चीजें देखने को मिलती थी, अब मुश्किल से ही कहीं दिखाई देती हैं। अगर आपको अपनी दादी-नानी के जमाने के घर याद होंगे, तो आपने उनमें कई ऐसी चीजें देखी होंगी कि जो आप अपने घरों में नहीं देख पाते होंगे। आज इस आर्टिकल में हम आपको इन्हीं चीजों के बारे में विस्तार बताएंगेजो पुराने घरों का जरूरी हिस्सा हुआ करती थीं, लेकिन आज के घरों में देखने को भी नहीं मिलती।

घर के बीच आंगन

पुराने घरों के ठीक बीचों-बीच आंगन जरूर होता था। ये खुली जगह घर का सोशल पॉइन्ट हुआ करती थी। घर की पूजा-पाठ का कार्यक्रम, दोपहर में पापड़ या अचार सुखाना और रात को पूरे परिवार के साथ बैठकर बाते करना, ये सबकुछ आंगन में ही हुआ करता था। आज के घरों में आंगन देखने को नहीं मिलता, लेकिन पुराने घरों का ये जरूरी हिस्सा होता था।

घर के बाहर चबूतरा

घर के दरवाजे के बाहर एक ऊंचा प्लैटफॉर्म बनाया जाता था, जिसे चबूतरा कहते हैं। शाम होते ही मोहल्ले के लोग यहां इकट्ठा होते और बातें करते थे। राह चलते राहगीर यहां सुस्ताने के लिए बैठते, कोई दूर का मेहमान आया है, तो उसे भी चबूतरे पर बैठाया जाता था। घर की प्राइवेसी के लिए बना चबूतरा पुराने घरों में जरूर बनाया जाता था।

ऊंची चौखट

दो पल्लों के दरवाजे के साथ घर की चौखट भी लकड़ी की होती थी और ऊंची बनाई जाती थी। ऊंची चौखट घर में धूल-मिट्टी, कीड़े-मकौड़े और बारिश का पानी आने से रोकती थी। चौखट को घर की मर्यादा का प्रतीक भी माना जाता था। इसलिए चौखट की पूजा की जाती थी।

ऊंची खिड़कियां और रोशनदान

पुराने समय में घर को ठंडा रखने के लिए एसी-कूलर नहीं होते थे। इसलिए घर की खिड़कियां ऊंची बनाई जाती थीं, ताकि अंदर की गर्म हवा बाहर निकल जाए और घर में ठंडी हवा का फ्लो बना रहे। घर में रोशनी के लिए भी खिड़कियां और रोशनदान बनाए जाते थे, ताकि दिन के समय दीया जलाने की जरूरत न पड़े और सूरज की रोशनी से घर में उजाला रहे।

ताख या आला

पुराने समय में आज की तरह चौबीस घंटे बिजली नहीं होती थी। इसलिए दीवारों के बीच छोटे-छोटे अलमारी जैसी नक्काशीदार जगह बनाई जाती थी, जिसे ताख या आला या दीवट कहा जाता था। शाम होते ही मिट्टी के दीये या लालटेन इसी ताख पर रखे जाते थे, ताकि घर में रोशनी बनी रही। आज इनकी जरूरत खत्म हो गई है। इसलिए मॉडर्न घरों में ताख देखने को नहीं मिलती।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपके भीतर नई ऊर्जा और आत्मविश्वास देखने को मिलेगा। कामकाज से जुड़े प्रयासों में सफलता मिलने की उम्मीद है। कारोबार में किसी अनुभवी व्यक्ति का मार्गदर्शन आगे बढ़ने में मदद कर सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य बनी रहेगी। घर-परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। प्रेम संबंधों में आपसी समझ बढ़ सकती है और रिश्ते में गर्मजोशी आएगी।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों को कई मामलों में संतुलन बनाकर चलना होगा। नौकरी में काम का दबाव और जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आप स्थिति को अच्छी तरह संभाल लेंगे। कारोबार मे कमाई के नए मौके मिलेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत हो सकता है। दांपत्य जीवन में किसी बात को लेकर असहमति संभव है, इसलिए बहस के बजाय शांतिपूर्वक बातचीत करना आपके लिए बेहतर रहेगा।

मिथुन राशि - कामकाज के मोर्चे पर आपकी एकाग्रता काफी महत्वपूर्ण रहेगी। नौकरी में कोई ऐसा मौका मिल सकता है, जिसका इंतजार आपको लंबे समय से था। कारोबारियों के लिए नई डील फायदे का सौदा साबित हो सकती है। अचानक आर्थिक लाभ मिलने की संभावना भी है। परिवार से जुड़ी कोई अच्छी खबर मन खुश कर देगी। प्रेम जीवन में सामंजस्य बना रहेगा। यात्रा के दौरान सावधानी रखना जरूरी होगा।

कर्क राशि - कर्क राशि वालों के लिए परिस्थितियां अनुकूल रहने के संकेत है। नौकरी मे अधिकारियो का सहयोग मिलने से काम आसान होगा और आपकी मेहनत की सराहना भी हो सकती है। व्यापार से जुड़ा कोई रुका हुआ काम आगे बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो सकती है। परिवार में शांति और सकारात्मक माहौल रहेगा। प्रेम संबंधों में भरोसा मजबूत होगा। स्वास्थ्य सामान्य रहने की संभावना है।

सिंह राशि - आपको अपनी बातचीत और व्यवहार में विशेष सावधानी रखनी होगी। ऑफिस मे किसी सहकर्मी के साथ विचारो का टकराव हो सकता है। कारोबार से जुड़े बड़े फैसले लेते समय जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है, इसलिए सभी पहलुओं पर विचार करें। आर्थिक स्थिति फिलहाल सामान्य रह सकती है। परिवार के साथ सुखद समय मिलेगा। दांपत्य जीवन में प्रेम बना रहेगा। मानसिक दबाव को खुद पर हावी न होने दें।

कन्या राशि - कन्या राशि वालों के लिए सफलता और लाभ के अच्छे संकेत हैं। नौकरी में पदोन्नति या करियर से जुड़ी सकारात्मक खबर मिलने की संभावना है। व्यापार में नए ग्राहक जुड़ सकते हैं, जिससे कारोबार को फायदा होगा। निवेश के लिहाज से दिन सामान्य रहेगा, इसलिए जोखिम लेने से बचें। परिवार में पुराने विवाद को सुलझाने का मौका मिलेगा। प्रेम जीवन में नजदीकियां बढ़ेंगी और स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा।

तुला राशि-करियर के क्षेत्र मे नए रास्ते खुल सकते है। नौकरी मे आपकी कार्यकुशलता देखकर वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित हो सकते हैं। कारोबार मे लाभ कमाने के अवसर मिलेंगे। हालांकि पैसो से संबंधित किसी भी निर्णय में जल्दबाजी करना उचित नहीं होगा। परिवार में किसी सदस्य की उपलब्धि से खुशी का माहौल बनेगा। प्रेम जीवन में लंबे समय से चली आ रही गलतफहमी बातचीत के जरिए खत्म हो सकती है।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि वालों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने की उम्मीद है। कार्यक्षेत्र में लंबे समय से अटके हुए काम पूरे होने की संभावना है। व्यापार मे बेहतर मुनाफा मिलने से आर्थिक पक्ष मजबूत हो सकता है। परिवार के लोगों के साथ खुशनुमा पल बिताने का मौका मिलेगा। प्रेम संबंधों में भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। हालांकि व्यस्तता के बीच अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें और पर्याप्त आराम ले।

धनु राशि- करियर से जुड़ा कोई अहम निर्णय आपके सामने आ सकता है। नौकरी बदलने का विचार है तो किसी भी विकल्प को चुनने से पहले अच्छी तरह विचार करें। कारोबार में नए अवसर दस्तक दे सकते हैं। बढ़ते खर्च आपकी आर्थिक योजना को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए बजट पर नियंत्रण रखें। परिवार का साथ मिलेगा। प्रेम संबंधों में विश्वास बनाए रखने के लिए पार्टनर से हर बात स्पष्ट रूप से साझा करें।

मकर राशि - मकर राशि वालों को अपनी मेहनत का फल मिलने की संभावना है। नौकरी मे अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है, जो भविष्य में आपके करियर के लिए फायदेमंद साबित होगी। कारोबार में पहले किया गया निवेश अच्छा रिटर्न दे सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। परिवार में आपसी प्रेम और शांति रहेगी। जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता आएगी।

कुंभ राशि- आपका आत्मविश्वास आपको नई चुनौतियों का सामना करने की ताकत देगा। नौकरी में किसी नए प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिल सकती है। कारोबार में लाभ के अच्छे संकेत हैं और आर्थिक स्थिति भी संतोषजनक रहेगी। हालांकि गैरजरूरी खरीदारी पर रोक लगाना समझदारी होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक या सामाजिक आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। प्रेम जीवन में सुखद अनुभव मिलने की संभावना है।

मीन राशि- मीन राशि वालों के लिए दिन उम्मीदों से भरा रह सकता है। नौकरी मे नई जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसका फायदा आने वाले समय मे करियर को मिलेगा। व्यापार मे फंसा हुआ धन वापस आने से आर्थिक राहत मिलेगी। परिवार में कोई शुभ समाचार मिलने से खुशी का माहौल बनेगा। प्रेम संबंधों मे विश्वास और अपनापन बढ़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा रखने के लिए नियमित दिनचर्या और संतुलित खानपान पर ध्यान देना जरूरी होगा।

मानसून की सबसे स्वादिष्ट देसी रेसिपी

बारिश के मौसम में मिलने वाले अरबी के ताजे पत्तों से बनने वाली बेसन की स जी पारंपरिक स्वाद का बेहतरीन उदाहरण है। यह मौसमी रेसिपी स्वाद के साथ-साथ पौष्टिकता से भी भरपूर होती है। अरबी के पत्तों पर मसालेदार बेसन का मिश्रण लगाकर इन्हें पकाया जाता है, जिससे इसका स्वाद बेहद लाजवाब बन जाता है। ग्रामीण इलाकों में यह रेसिपी मानसून के दौरान खास तौर पर बनाई जाती है। अगर आप बारिश के मौसम में कुछ नया और देसी स्वाद चखना चाहते हैं, तो अरबी के पत्तों और बेसन से बनने वाली यह आसान रेसिपी जरूर ट्राई करें।

बारिश का मौसम आते ही बाजारों में कई ऐसी मौसमी चीजें दिखाई देने लगती हैं, जिनका इंतजार लोग पूरे साल करते हैं। इन्हीं में से एक है अरबी का पत्ता। यह पत्ता सालभर नहीं मिलता, बल्कि मानसून के दौरान केवल कुछ महीनों के लिए ही बाजारों में दिल के आकार जैसा दिखने वाला यह हरा-भरा पत्ता लोगों का ध्यान खींच रहा है। खास बात यह है कि महंगी अरबी के मुकाबले इसका पत्ता महज 1 से 2 रुपये में मिल जाता है, लेकिन इससे बनने वाली सब्जी का स्वाद लोगों को खूब पसंद आता है। सब्जी व्यापारी बताते हैं कि बारिश शुरू होते ही अरबी के पत्तों की मांग बढ़ जाती है। खासकर महिलाएं इसकी सब्जी बनाने के लिए बड़ी संख्या में इन्हें खरीदती हैं। यह पत्ता करीब दो महीने तक ही बाजार मे उपलब्ध रहता है। इसके बाद मौसम बदलने पर इसकी आवक बंद हो जाती है। अरबी के पत्ते की सब्जी बनाने की विधि थोड़ी अलग जरूर है, लेकिन स्वाद इतना बेहतरीन होता है कि एक बार खाने वाला बार-बार इसकी फरमाइश करता है। सबसे पहले अरबी के पत्तों को अच्छी तरह धोकर साफ किया जाता है। इसके बाद बेसन में हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर, नमक, अजवाइन और अन्य मसाले मिलाकर गाढ़ा घोल तैयार किया जाता है। इस मसालेदार बेसन को पत्तों पर अच्छी तरह फैलाकर एक के ऊपर एक पत्ते रखे जाते हैं और उनका रोल बना लिया जाता है। तैयार रोल को भाप में अच्छी तरह पकाया जाता है। पकने के बाद इसे ठंडा करके छोटे-छोटे टुकड़ों मे काट लिया जाता है। फिर कढ़ाई मे हल्का तेल गर्म कर इन टुकड़ों को सुनहरा होने तक सेंका जाता है। चाहें तो इन्हें मसालेदार ग्रेवी में डालकर कुछ मिनट पकाया जाता है। इसके बाद तैयार हो जाती है अरबी के पत्ते की स्वादिष्ट और लजीज सब्जी, जिसे रोटी या पराठे के साथ बड़े चाव से खाया जाता है। आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ। उमेश के अनुसार अरबी के पत्तों में विटामिन ए, बी और सी के अलावा कैल्शियम, पोटैशियम तथा एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते है। सही तरीके से पकाकर सेवन करने पर यह पाचन तंत्र के लिए लाभकारी माना जाता है और शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व भी प्रदान करता है।

सुबह खाली पेट इन 3 चीजों का करें सेवन...

बहुत से लोग दिन भर अपने खान-पान पर पूरा ध्यान देते हैं, लेकिन सुबह सबसे पहले वे क्या खाते-पीते हैं, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण हो सकता है। पानी पीने से लेकर चाय-कॉफी की चुस्की लेने तक, सुबह की दिनचर्या हर किसी की अलग हो सकती है, लेकिन कुछ आदतों को आपको अपने रूटीन का हिस्सा बना लेना चाहिए। सुबह उठकर क्या खाएं पीएं

पानी पीकर करें दिन की शुरुआत: सुबह उठते ही सबसे पहले वह 250 मिलीलीटर पानी पीती हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें अक्सर प्यास लगती है, इसलिए कुछ भी खाने-पीने से पहले शरीर में पानी की कमी को पूरा करना उनकी उनकी प्राथमिकता होती है। पानी पीने से रात भर में शरीर से निकले तरल पदार्थों की भरपाई हो जाती है और सुबह उन्हें तरोताजा महसूस होता है। इस तरह आप दिन की शुरुआत करने को तैयार हो जाते हैं।

हेल्दी फैट शामिल करें: पानी पीने के बाद न्यूट्रिशनिश्ट हेल्दी फैट लेती हैं। इसके लिए वो ज्यादातर सुबह एक चम्मच शुद्ध नारियल तेल पीती हैं। सुबह सबसे पहले फैट वाला कुछ खाने से ब्लड शुगर का स्तर स्थिर रखने में मदद मिल सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि इस आदत से उन्हे लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है और दिन भर अत्यधिक भूख या चिड़चिड़ापन महसूस नहीं होता।

एनर्जी के लिए ब्लैक कॉफी: सुबह की दिनचर्या का आखिरी स्टेप होता है जिसमें वो सुबह एक कप ब्लैक कॉफी लेती हैं, जिसे वह नारियल तेल पीने के पीती हैं। ब्लैक कॉफी उन्हें दिन भर अधिक एनर्जेटिक और एकाग्र रहने में मदद करती है। न्यूट्रिशनिश्ट ने बताया कि ब्लैक कॉफी पीने से शरीर में सुबह के समय कोर्टिसोल के नेचुरल लेवल को 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं, इससे शरीर को ऊर्जा मिलती है और आप कहीं ज्यादा एक्टिव रहते हैं। कॉफी में पॉलीफेनॉल होते हैं, जो ऐसे यौगिक हैं जो आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं।

बारिश में बढ़ जाता है बीमारियों का खतरा

मानसून की बारिश गर्मी से राहत जरूर देती है, लेकिन इसके साथ कई तरह की संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। बारिश के दौरान जगह-जगह पानी जमा होने से मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है। वहीं गंदा पानी, दूषित भोजन और नमी भरा वातावरण बैक्टीरिया और वायरस के फैलने के लिए अनुकूल स्थिति बना देते हैं। ऐसे में थोड़ी-सी लापरवाही डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और पेट से जुड़ी कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। साफ-सफाई, शुद्ध भोजन और समय पर सावधानी बरतकर इन बीमारियों से काफी हद तक बचाव किया जा सकता है। आइए जानते हैं मानसून में सबसे ज्यादा होने वाली 7 बीमारियों और उनसे बचने के आसान उपाय।

डेंगू

बारिश के मौसम में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ते हैं। यह एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द और शरीर व जोड़ों में तेज दर्द इसके मुख्य लक्षण हैं। बचाव के लिए घर और आसपास पानी जमा न होने दें, मच्छरदानी का इस्तेमाल करें और पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें।

मलेरिया

मलेरिया संक्रमित मच्छर के काटने से होता है। इसमें ठंड लगकर बुखार आना, अधिक पसीना आना, कमजोरी और सिरदर्द जैसी समस्याएं होती हैं। मच्छरों से बचने के लिए रिपेलेंट का उपयोग करें और शाम के समय विशेष सावधानी बरतें।

चिकनगुनिया

चिकनगुनिया भी मच्छरों के जरिए फैलने वाली बीमारी है। इसमें अचानक तेज बुखार के साथ जोड़ों में तेज दर्द होता है, जिससे चलना-फिरना भी मुश्किल हो सकता है। घर और आसपास साफ-सफाई रखने तथा मच्छरों की रोकथाम करने से इसका खतरा कम किया जा सकता है।

टाइफाइड और हेपेटाइटिस ए

मानसून में दूषित भोजन और गंदे पानी के कारण टाइफाइड और हेपेटाइटिस ए का खतरा बढ़ जाता है। टाइफाइड में लगातार बुखार, पेट दर्द और कमजोरी होती है, जबकि हेपेटाइटिस ए में आंखें और त्वचा पीली पड़ सकती है, साथ ही भूख कम लगना और थकान महसूस होती है। हमेशा साफ या उबला हुआ पानी पिएं और खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों से बचें।

पेट की बीमारियां

बारिश के मौसम में गैस्ट्रोएंटेराइटिस यानी पेट का संक्रमण भी तेजी से फैलता है। दूषित भोजन या पानी के कारण दस्त, उल्टी, पेट दर्द और शरीर में पानी की कमी हो सकती है। इसलिए हमेशा ताजा और अच्छी तरह पका हुआ भोजन ही खाएं और पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें।

सर्दी-जुकाम और फ्लू

मौसम में बदलाव और बढ़ी हुई नमी के कारण वायरल संक्रमण तेजी से फैलते हैं। नाक बहना, गले में खराश, खांसी और हल्का बुखार इसके सामान्य लक्षण हैं। हाथों की नियमित सफाई करें, पर्याप्त नींद लें और पौष्टिक भोजन खाकर रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत रखें।

इन बातों का रखें ख्याल

मानसून के दौरान साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना, घर के आसपास पानी जमा न होने देना, शुद्ध पानी पीना और संतुलित आहार लेना कई गंभीर बीमारियों से बचा सकता है। यदि तेज बुखार, लगातार उल्टी, दस्त या अन्य गंभीर लक्षण दिखाई दें तो बिना देरी किए डॉक्टर से सलाह लें। समय पर उपचार और सतर्कता ही मानसून में स्वस्थ रहने की सबसे बड़ी कुंजी है।

नालियों की सफाई शुरू, खबर के बाद हरकत में आया पालिका प्रशासन, धरना प्रदर्शन के बाद भी नहीं जगा प्रशासन

अमलेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर क्षेत्र अंतर्गत वुड आइलैंड कॉलोनी से अटल परिसर तक मुख्य मार्ग किनारे नालियों में जाम कचरा, घास-फूस और गंदगी को लेकर लगातार जनहित में खबर प्रकाशित की जा रही थी। स्वच्छता व्यवस्था की इस समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद पालिका प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए नालियों की साफ-सफाई का कार्य शुरू कर दिया है। नालियों में लंबे समय से कचरा जमा होने और घास-फूस उग आने के कारण बारिश के दौरान जल निकासी प्रभावित होने की आशंका बनी हुई थी। खबर प्रकाशित होने के बाद सफाई कर्मचारियों ने मुख्य मार्ग के किनारे स्थित नालियों की सफाई शुरू कर दी है। वहीं, छाया नगर पालिका अध्यक्ष हिमांशु शर्मा ने सफाई कार्य की तस्वीर साझा करते हुए पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इतने दिनों तक वार्ड पार्षदों का ध्यान इस समस्या की ओर नहीं गया, लेकिन खबर प्रकाशित होने के बाद सफाई कर्मचारियों द्वारा नालियों की सफाई की जा रही है। उन्होंने इसे बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि नगरवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में पालिका प्रशासन लगातार असफल रहा है। गौरतलब है कि आय-व्यय में पारदर्शिता, अवैध कब्जे, अवैध प्लाटिंग और मूलभूत सुविधाओं सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा 24 अगस्त को नगर पालिका कार्यालय के पास जोरदार प्रदर्शन किया गया था। कांग्रेस ने मांगें पूरी करने के लिए 10 सितंबर तक का समय देते हुए इसके बाद आंदोलन की चेतावनी दी है। इसके बावजूद कई समस्याओं पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा था। अब 'सीजी के गोठ' पर खबर प्रकाशित होने के बाद नालियों की सफाई शुरू होने से यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या जनहित की समस्याओं के समाधान के लिए मीडिया में खबर प्रकाशित होना जरूरी है? कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि 10 सितंबर तक 10 सूत्रीय मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। स्थानीय स्तर पर अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पालिका प्रशासन केवल नालियों की सफाई तक सीमित रहता है या नगर की अन्य मूलभूत समस्याओं का भी स्थायी समाधान करता है।

खेलो इंडिया संवाद में गूंजा खेल और फिटनेस का संदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन सुना

दुर्ग/अमलेश्वर। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित देशव्यापी अभियान के तहत महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग, पाटन, सांकरा के अंतर्गत संचालित उद्यानिकी महाविद्यालय सांकरा के प्रांगण में 'खेलो इंडिया डायलॉग-खेल की बात, पीएम मोदी के साथ' कार्यक्रम का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रवि आर. सक्सेना के कुशल दिशा-निर्देश एवं अधिष्ठाता (डीन) डॉ. अमित दीक्षित के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान महाविद्यालय प्रांगण में उपस्थित प्राध्यापकों, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का लाइव सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में देश की युवा शक्ति और खेल शक्ति को 'विकसित भारत' के निर्माण से जोड़ने तथा खेलों के माध्यम से व्यक्तित्व विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने युवाओं को खेल एवं फिटनेस के प्रति जागरूक होकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। विश्वविद्यालय प्रबंधन एवं प्राध्यापकों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं में खेल भावना, शारीरिक फिटनेस, अनुशासन एवं देश के प्रति नागरिक जिम्मेदारियों की भावना को बढ़ावा देने में अत्यंत सहायक हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्रोफेसर, स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में हुआ रुद्राभिषेक, कॉलोनीवासियों ने की सुख-समृद्धि की कामना

अमलेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर स्थित न्यू हर्षित सिटी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में समस्त कॉलोनीवासियों के सहयोग से रुद्राभिषेक का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया।

इस धार्मिक आयोजन में कॉलोनी के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विधि-विधान से भगवान महादेव का जलाभिषेक कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। रुद्राभिषेक के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी पूजा-अर्चना में शामिल हुए और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रमोद साहू, अभिषेक शर्मा, अजीत ठाकुर, राकेश सूर्यवंशी, देवानंद सतपति सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।

दरार की खबर मिली, फिर भी नहीं जागा

भरभरा कर बांध टूटा किसानों की फसल बर्बाद,मानसून पूर्व बैठकें सिर्फ कागजों में तैयारियां

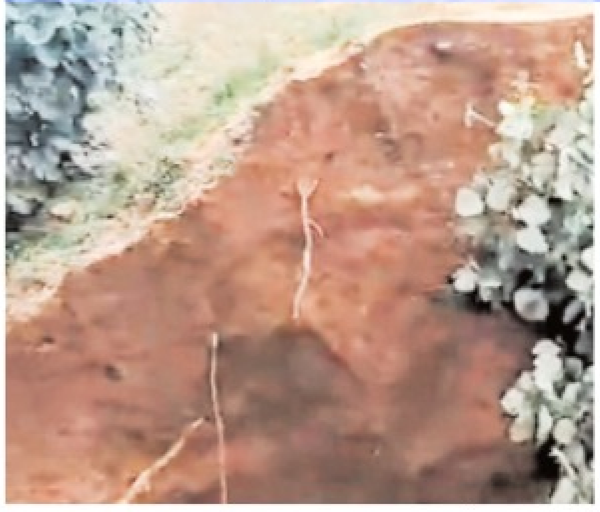

रामानुजगंज। जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत तेतरडीह में कृषि विभाग के बांध के टूटने से आसपास के किसानों की धान की फसल बर्बाद हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि बांध में दरार पड़ने की जानकारी संबंधित विभाग को समय रहते दे दी गई थी, लेकिन मरम्मत नहीं कराई गई। अब बांध टूटने के बाद प्रशासन नुकसान का आकलन कराने की बात कह रहा है। सवाल यह है कि जब खतरे की सूचना पहले ही मिल चुकी थी, तब प्रशासन ने खतरा टालने के लिए क्या किया? बारिश के बाद बांध में पानी भरने से दरार बढ़ती गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना विभाग तक पहुंचाई, लेकिन मौके पर जरूरी मरम्मत नहीं हुई। आखिरकार बांध टूट गया और पानी आसपास के खेतों में फैल गया। किसानों की खड़ी धान की फसल बर्बाद हो गई। अब प्रशासनिक अमला नुकसान का आकलन करने पहुंच रहा है,जबकि किसानों का सवाल है कि समय रहते बांध की मरम्मत करा दी जाती तो नुकसान की नौबत ही क्यों आती?

मानसून से पहले तैयारी आखिर किस बात की?

तेतरडीह की घटना ने जिला प्रशासन की मानसून पूर्व तैयारियों पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। हर साल बारिश से पहले जिला स्तर पर बैठकें होती हैं। बांध,जलाशय, नालों, सड़कों और संवेदनशील स्थानों की स्थिति की समीक्षा होती है। अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए जाते हैं। फिर सवाल उठता है कि इन बैठकों का जमीन पर असर आखिर कहां दिखाई देता है? क्या मानसून पूर्व बैठकें सिर्फकागजों मे तैयारियां पूरी दिखाने, फोटो खिंचाने और नाश्ता-पानी तक सीमित रह गई हैं? यदि वास्तव मे तैयारी होती है तो जिस बांध मे बारिश के बाद दरार दिखाई दे रही थी, उसकी जानकारी मिलने के बाद भी मरम्मत क्यों नहीं हुई? जिला प्रशासन को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि मानसून से पहले ऐसे जलस्रोतों और बांधों का निरीक्षण किस स्तर पर हुआ था और उनकी सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए गए थे।

नुकसान के बाद आकलन, रोकथाम क्यों नहीं?

प्रशासन का कहना है कि नुकसान का वास्तविक आंकड़ा आकलन के बाद सामने आएगा। यह प्रक्रिया जरूरी है, लेकिन इससे बड़ा सवाल रोकथाम का है। किसान जब पहले ही खतरे की सूचना दे रहे थे, तब प्रशासन और संबंधित विभाग ने उस चेतावनी को गंभीरता से क्यों नहीं लिया? अब यदि फसल बर्बाद होने के बाद केवल मुआवजे और आकलन तक कार्रवाई सीमित रहती है तो उस लापरवाही की जवाबदेही कौन तय करेगा? ग्रामीणों का आरोप है कि एक ओर सरकार किसानों के हित मे बेहतर कृषि व्यवस्था और सिंचाई सुविधाओं का दावा करती है,वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर अफसरशाही और कथित लापरवाही के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। तेतरडीह की घटना इसलिए भी गंभीर है क्योंकि यहां नुकसान अचानक आई किसी प्राकृतिक आपदा का ही परिणाम नहीं,बल्कि ग्रामीणों के अनुसार पहले से दिखाई दे रहे खतरे पर समय रहते कार्रवाई नहीं होने का नतीजा है।

तेतरडीह के किसान पुछ रहें जिला प्रशासन सवाल

अब जिला प्रशासन के सामने दोहरी जिम्मेदारी है एक तरफप्रभावित किसानों को तत्काल राहत और फसल नुकसान का उचित आकलन, दूसरी तरफ यह तय करना कि दरार की सूचना मिलने के बाद बांध की मरम्मत क्यों नहीं हुई और मानसून पूर्व तैयारियों के बावजूद यह स्थिति क्यों बनी। आखिर बैठकों में तय तैयारियां जमीन पर कब उतरेंगी,यह सवाल तेतरडीह के किसान जिला प्रशासन से पूछ रहे हैं।

खड़गे का अपमान, नहीं सहेगा दलित समाज बिलाईगढ़ में गरजा दलित समाज

भटगांव। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उत्तराखंड के हल्द्वानी में आयोजित सभा के बाद सभास्थल को गंगाजल छिड़ककर और मंत्रोच्चार के माध्यम से शुद्ध किए जाने की घटना ने अब छत्तीसगढ़ में भी आक्रोश पैदा कर दिया है। इस घृणित कृत्य के विरोध में आज बिलाईगढ़ में दलित समाज और कांग्रेसजनों का गुस्सा फूट पड़ा। पूर्व संसदीय सचिव एवं पूर्व विधायक चंद्रदेव राय के बिलाईगढ़ स्थित कार्यालय में एक महत्वपूर्ण और आक्रोशपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की गई और इसे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का ही नहीं, बल्कि संपूर्ण दलित समाज का घोर अपमान बताया गया। बैठक के अंत में खड़गे का अपमान, नहीं सहेगा दलित समाज के गगनभेदी नारों के साथ सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। आपको बता दें कि कुछ दिन पूर्व कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उत्तराखंड के हल्द्वानी में एक जनसभा को संबोधित करने गए थे। सभा समाप्त होने के बाद कथित तौर पर वहां के कुछ लोगों द्वारा, जिनका संबंध भाजपा से बताया जा रहा है, सभास्थल को गंगाजल छिड़ककर शुद्ध किया गया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस घटना के सामने आते ही पूरे देश के दलित समाज में आक्रोश फैल गया। कांग्रेस ने इसे जातिवादी मानसिकता और छुआछूत का जीता-जागता उदाहरण बताया है। क्योंकि मल्लिकार्जुन खड़गे दलित समाज से आते हैं, इसलिए उनके जाने के बाद जगह को धोना सीधे-सीधे जातिगत भेदभाव को दर्शाता है। पूर्व विधायक चंद्रदेव राय के कार्यालय में आयोजित इस बैठक में कांग्रेस पदाधिकारियों के अलावा सतनामी समाज, सारथी समाज, चौहान समाज, अनुसूचित जाति कांग्रेस सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक शुरू होते ही घटना पर विस्तार से चर्चा हुई। उपस्थित सभी लोगों ने एक-एक कर खड़े होकर अपना विरोध दर्ज कराया और कहा कि यह कृत्य बर्दाश्त के बाहर है। बाद में सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें कहा गया हम बिलाईगढ़ क्षेत्र के सभी समाज के लोग, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ हल्द्वानी में हुए जातिगत भेदभाव और अपमानजनक कृत्य की घोर निंदा करते हैं। यह कृत्य सिर्फ खड़गे जी का अपमान नहीं, बल्कि देश के 30 करोड़ दलितों और संविधान का अपमान है। हम मांग करते हैं कि दोषियों पर एसटी-एससी एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की जाए।साथ ही यह प्रस्ताव की कॉपी महामहिम राष्ट्रपति और राज्यपाल को भेजने की बात भी कही गई। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक चंद्रदेव राय ने कहा देश का संविधान बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने बनाया है। संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, सम्मान और गरिमा के साथ जीने का मौलिक अधिकार देता है। आज 75 साल बाद भी यदि देश के सबसे बड़े विपक्षी दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, जो खुद दलित समाज से हैं, उनके साथ ऐसा व्यवहार होता है, तो सोचिए आम दलित के साथ क्या होता होगा। उन्होंने आगे कहा जाति या सामाजिक पहचान के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव और अपमान कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह घटना भाजपा की मनुवादी मानसिकता को उजागर करती है। वे मुंह में संविधान की बात करते हैं, लेकिन मन में मनुस्मृति रखते हैं। लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए हम सभी को एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करनी होगी। राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा दलितों, पिछड़ों और शोषितों के साथ खड़ी रही है और आगे भी खड़ी रहेगी। वहीं इस विरोध सभा की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसमें सिर्फएक समाज नहीं, बल्कि सभी समाजों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

कांवड़ियों की सेवा में निरंतर चली 'शिव की रसोई', सौरव मिश्रा ने बनवाया बर्फानी शिवलिंग

देवेंद्र यादव की 35 किलोमीटर कांवड़ यात्रा में जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने की सेवा

भिलाई। विधायक देवेंद्र यादव की 35 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा के दौरान शहर में श्रद्धा, भक्ति और सेवा का अदभुत संगम देखने को मिला। शिवनाथ नदी से पवित्र जल लेकर देव बलौदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर तक निकली इस कांवड़ यात्रा में सैकड़ों कांवड़ यात्री शामिल हुए। यात्रा के मार्ग में विभिन्न चौक-चौराहों पर सामाजिक, धार्मिक एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कांवड़ियों का आत्मीय स्वागत किया गया और उनके लिए जलपान एवं प्रसाद की व्यवस्था की गई। इसी क्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरव मिश्रा द्वारा सेक्टर-1 स्थित बीएसएनएल चौक पर विशेष आयोजन किया गया। यहां बर्फानी शिवलिंग का निर्माण कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की गई। सौरव मिश्रा ने कांवड़ियों की सेवा के लिए 'शिव की रसोई' शुरू करने का संकल्प लिया था। उनके संकल्प के अनुरूप यह रसोई सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक निरंतर संचालित होती रही। कांवड़ यात्रा के देव बलौदा पहुंचने और जलाभिषेक पूर्ण होने तक शिव की रसोई के माध्यम से कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद और भोजन वितरित किया गया। इस पहल को श्रद्धालुओं ने सेवा, आस्था और सामाजिक समरसता का अनूठा उदाहरण बताया। कार्यक्रम में कांग्रेसी आर.एस. शर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष प्रमोद प्रभाकर, ख्वाजा अहमद, जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी, पार्षद सुरेश वर्मा, कांग्रेस संगठित कामगार जिलाध्यक्ष सतनाम सिंह, धन्नू मिश्रा, मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण, मेशांक मिश्रा, अरुणा राव, न्यूब सिंह, राव, इमरान खान, राहुल मिश्रा, आशीष यादव, लोकेश, देवेंद्र सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। वहीं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी-03 के अध्यक्ष के निर्देशानुसार सेक्टर-2 में हरीश सिंह के नेतृत्व में कांवड़ यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पार्षद साधना सिंह एवं नोमिन साहू ने कांवड़ियों का स्वागत करते हुए जलपान की व्यवस्था की। इसी तरह सेक्टर-1 एसबीआई के सामने रोशन रिजवी के नेतृत्व में कांवड़ियों के लिए ठंडे पानी एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। यात्रा के दौरान यहां पहुंचने वाले कांवड़ियों को जलपान कराया गया। सेक्टर-1 मुर्गा चौक पर आशीष यादव के नेतृत्व में महिला समूह द्वारा भी विशेष सेवा शिविर लगाया गया। महिला समूह की सदस्यों ने कांवड़ यात्रियों का पुष्प एवं स्वागत किया तथा उनके लिए स्वल्पाहार एवं पेयजल की व्यवस्था की। पूरी कांवड़ यात्रा के दौरान जगह-जगह सेवा शिविरों और स्वागत कार्यक्रमों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयकारों के साथ कांवड़ियों का उत्साह बढ़ाया। सेवा और भक्ति से जुड़े इन आयोजनों ने यह संदेश दिया कि धार्मिक यात्रा केवल आस्था का पर्व ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है।

जब बुजुर्गों के बीच पहुंचे कलेक्टर,राखी बांधी तो छलक उठा अपनापन

बलरामपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बलरामपुर कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित खुशी वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के बीच पर्व की खुशियां बांटीं। उन्होंने वृद्धजनों को अपने हाथों से राखी बांधी, मिठाई खिलाई और उनका आशीर्वाद लिया। कलेक्टर के इस आत्मीय व्यवहार से वृद्धाश्रम में कुछ पल के लिए ऐसा माहौल बना, मानो परिवार के अपने ही सदस्य त्योहार मनाने पहुंच गए हों। कलेक्टर ने वृद्धाश्रम में रहने वाली बुजुर्ग महिलाओं को साड़ियां भी भेंट कीं और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। बुजुर्गों के साथ आत्मीय संवाद करते हुए उन्होंने उनके स्वास्थ्य, भोजन, रहन-सहन और दैनिक जरूरतों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने वृद्धाश्रम के सभी कमरों और परिसर का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वृद्धाश्रम परिसर में स्थित राधा-कृष्ण मंदिर पहुंचकर कलेक्टर ने विधिवत पूजा-अर्चना की और दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने मंदिर तथा आसपास की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने वृद्धजनों की देखभाल और संस्था की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की सराहना की।

उन्होंने बुजुर्गों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित खुशी वृद्धाश्रम के संस्था संचालक प्रभाकर द्विवेदी सहित कर्मचारी इस अवसर पर मौजूद रहे। संस्था की ओर से कलेक्टर का आत्मीय स्वागत और अभिनंदन किया गया। रक्षाबंधन के दिन वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ समय बिताने की पहल ने प्रशासन के संवेदनशील मानवीय पक्ष को सामने रखा।

4 सितंबर को भिलाई में सजेगा भव्य श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

हेरिटेज फेस्ट में दिखेगी विद्यार्थियों की प्रतिभा

भिलाई। इस्कॉन भिलाई - हरे कृष्ण मूवमेंट द्वारा शुक्रवार, 4 सितंबर को सेक्टर-6 स्थित अक्षय पात्र परिसर के इस्कॉन मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव एवं हेरिटेज फेस्ट 2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। जन्माष्टमी महोत्सव में भिलाई, दुर्ग सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस्कॉन भिलाई - हरे कृष्ण मूवमेंट द्वारा पिछले 15 वर्षों से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन, भजन-कीर्तन और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होते हैं तथा महाप्रसाद ग्रहण करते हैं। इस वर्ष आयोजन को और अधिक भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर एवं भगवान के विग्रहों की विशेष पुष्प सज्जा की जाएगी। इसके लिए वृंदावन से अनुभवी फूल सज्जाकारों को बुलाया जा रहा है। पूरे दिन मंदिर परिसर में महा अभिषेक, झूलन उत्सव, फूल बंगला, पालकी उत्सव, छप्पन भोग, भजन-कीर्तन और नौका विहार सहित विभिन्न धार्मिक एवं भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस वर्ष जन्माष्टमी महोत्सव का विशेष आकर्षण हेरिटेज फेस्ट 2026 रहेगा। यह अंतर-विद्यालय सांस्कृतिक महोत्सव विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करेगा। इसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी गायन, नृत्य, ड्राइंग, पेंटिंग सहित अन्य कला एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे। आयोजकों के अनुसार हेरिटेज फेस्ट का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के साथ उन्हें देश की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ना है। प्रतियोगिताओं के लिए ऑनलाइन पंजीयन किया जा सकता है। जन्माष्टमी के दिन कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 4:30 बजे मंगल आरती से होगी। इसके बाद 5:30 बजे प्रातः अभिषेक, सुबह 7 बजे झूलन उत्सव, 8 बजे दर्शन आरती और दोपहर 12:30 बजे राजभोग आरती होगी। शाम 7 बजे संध्या आरती के बाद 7:30 बजे नौका विहार (बोट फेस्टिवल) आयोजित किया जाएगा। इसके बाद रात 8:15 से 9:30 बजे तक भजन संध्या होगी। रात 9:30 बजे पालकी उत्सव और रात 10 बजे से 11:30 बजे तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महा अभिषेक होगा। रात्रि 12 बजे मध्यरात्रि महा आरती के साथ भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य का उत्सव मनाया जाएगा। इसके बाद रात 12:30 बजे से श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। इस्कॉन भिलाई- हरे कृष्ण मूवमेंट ने भिलाई, दुर्ग एवं आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं, नागरिकों, विद्यालयों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में महोत्सव में शामिल होने की अपील की है। आयोजकों ने कहा कि जन्माष्टमी महोत्सव धार्मिक आस्था के साथ भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं से नई पीढ़ी को जोड़ने का भी अवसर बनेगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com